MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 16 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-194

हम दो हमारे दो 'बेकार'

सुप्रीम कोर्ट ने खड़े किये सवाल

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत और दूसरे लोकल बॉडी चुनाव लड़ने के लिए दो बच्चों के नियम को जारी रखने की वैधता पर सख्त सवाल उठाए हैं। कोर्ट का कहना है कि आबादी बढ़ने से रोकने के लिए बनाई गई यह पॉलिसी, भारत में घटती फर्टिलिटी रेट को देखते हुए शायद अपना मकसद पूरा कर चुकी है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र के एक सरपंच को तीसरा बच्चा होने पर अयोग्य ठहराए जाने को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि वह राज्य के कानूनों में ऐसे नियमों को बनाए रखने के पीछे के बड़े तर्क की जांच करने को तैयार है और वकील रुक्मिणी बोबडे से एमिकस क्यूरी के तौर पर मदद मांगी।

यह कैसी बेकार पॉलिसी है?

जस्टिस नरसिम्हा ने सुप्रीम कोर्ट के 2003 के फैसले का जिक्र करते हुए कहा, ''यह कैसी बेकार पॉलिसी है? जावेद बनाम हरियाणा राज्य मामले पर फिर से विचार करने की जरूरत है। देश बदल गया है।'' इस फैसले में लोकल बॉडी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए दो बच्चों के नियम की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया था। कोर्ट ने कहा कि तब से भारत के डेमोग्राफिक प्रोफाइल में काफी बदलाव आया है, देश का टोटल फर्टिलिटी रेट अब 1.7 के आसपास है, जबकि केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में फर्टिलिटी रेट कई स्कैंडिनेवियाई देशों से भी कम है।

जब कई राज्य अब गिरती फर्टिलिटी रेट से जूझ रहे हैं, तो...

बेंच ने कहा, मौजूदा हालात में आबादी कम करने के लिए इस पॉलिसी को जारी रखना पूरी तरह से गैर-कानूनी हो सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कई राज्य अब गिरती फर्टिलिटी रेट से जूझ रहे हैं, तो आबादी बढ़ने से रोकने के लिए बनाई गई पॉलिसी को जारी रखने का क्या मतलब है। बेंच ने यह भी कहा कि तीन बच्चे होना अपने आप में बहुत आम बात हो गई है। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, आपकी पीढ़ी या मेरी पीढ़ी में, तीन बच्चे होना बहुत कम होता है। यह सिर्फ़ एक है। इस पॉलिसी का असर खत्म हो गया है। इसे तुरंत वापस ले लेना चाहिए। विरोधी उम्मीदवार इसे हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। हम इस पॉलिसी को लेकर चिंतित हैं।

पूर्व सरपंच भीमराव इंगले की याचिका पर सुनवाई

यह बात तब कही गई जब बेंच महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव इंगले की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने महाराष्ट्र ग्राम पंचायत एक्ट, 1959 के सेक्शन 14(1)(क्ष-1) के तहत उन्हें अयोग्य ठहराए जाने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। यह नियम दो से ज्यादा बच्चों वाले लोगों को पंचायत सदस्य या सरपंच का चुनाव लड़ने या पद पर बने रहने से रोकता है। इंगले बुलढाणा जिले की काकोडा ग्राम पंचायत की सरपंच चुनी गईं। हालांकि, उनके तीसरे बच्चे होने का आरोप लगाने वाली एक शिकायत के कारण एडिशनल कलेक्टर के सामने कार्रवाई हुई, जिन्होंने अक्टूबर 2024 में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। एडिशनल कमिश्नर ने उनकी अपील खारिज कर दी, और बॉम्बे हाई कोर्ट ने अगस्त 2025 में फैसले को सही ठहराया। कोर्ट ने यह माना कि अधिकारियों ने जिस बर्थ सर्टिफिकेट पर भरोसा किया था, वह एक पब्लिक डॉक्यूमेंट था जिसका सबूतों से कोई लेना-देना नहीं था और इंगले इसे गलत साबित करने में नाकाम रहीं।

छाती दबाना, सलवार उतारना रेप नहीं !

आरोपी बरी, सीजेआई नाराज़

पटना, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि बंद कमरे में जबरदस्ती महिला का सीना दबाना, सलवार उतारने की कोशिश करना रेप की कोशिश नहीं है। हाईकोर्ट ने 9 जुलाई को यह आदेश दिया और आरोपी को बरी कर दिया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत ने इस पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा0 जजों को संवेदनशील होना चाहिए और रिसर्च करनी चाहिए। जज कानूनी पड़ताल के बिना फैसले दिए जा रहे हैं। हम पटना हाईकोर्ट के फैसले की विस्तार से समीक्षा करके विस्तृत आदेश जारी करेंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट 14 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया था0 नाबालिग लड़की का स्तन पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी तोड़ना रेप का प्रयास नहीं है। इस पर सुनवाई के दौरान एडवोकेट गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट के सामने पटना हाईकोर्ट के फैसले का जिक्र किया। इसके बाद सीजेआई सूर्यकांत ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी (एनजेए) की एक्सपर्ट कमेटी की उस रिपोर्ट को भी मंजूरी दी, जिसमें यौन अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने देश की सभी अदालतों को निर्देश दिया कि वे इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन करें।

18 साल पहले 20 जनवरी 2008 को बिहार के बांका में एक स्टूडियो के मालिक के खिलाफ रेप की कोशिश की एफआईआर हुई। युवती ने आरोप लगाया कि वह पिता के साथ फोटो खिंचवाने गई थी। स्टूडियो मालिक हिमांशु फोटो खींचने के बहाने उसे अंदर ले गया और पिता को बाहर इंतजार करने को कहा।

युवती ने कहा0 अंदर जाते ही हिमांशु ने स्टूडियो का दरवाजा बंद कर लिया। अपने कपड़े उतारे और मेरी सलवार उतारने की कोशिश की। रेप करने के इरादे से छाती दबाने लगा और जबरन छेड़छाड़ की।

2013 में बांका कोर्ट ने हिमांशु को रेप का प्रयास और बंधक बनाने का दोषी करार दिया था। 3 साल कारावास की सजा सुनाई। लोअर कोर्ट के फैसले को हिमांशु ने पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

पटना हाईकोर्ट में 13 साल चला केस

हिमांशु के वकील ने पटना हाईकोर्ट में दलील दी कि निचली अदालत का फैसला गैरकानूनी है। उन्होंने तर्क दिया कि पीड़ित पक्ष ने एआईआर में देरी की और उचित कारण नहीं बताया। पीड़िता के वकील ने कहा कि निचली अदालत ने गवाहों और सबूतों पर विचार करने के बाद ही फैसला दिया था। हिमांशु का अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का है।

13 साल बाद 9 जुलाई 2026 को पटना हाईकोर्ट के जस्टिस पूर्णेंदु सिंह ने कहा0 इस मामले में मेडिकल एविडेंस नहीं है। रेप करने की कोशिश में भी स्पष्ट शारीरिक प्रयास के प्रमाण नहीं हैं। इसलिए आरोपी को बरी किया जाता है।

हाईकोर्ट ने फैसले में 3 बातों को आधार बनाया

1. पेनिट्रेशन का कोई सबूत नहीं कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने बल का प्रयोग किया, दरवाजा बंद किया, सलवार उतारने की कोशिश की और उसकी छाती दबाकर शारीरिक उत्पीड़न किया। हालांकि, ये घटना रेप के प्रयास की बजाय मर्यादा को ठेस पहुंचाने वाली है।

▶8 पर

एसआईआर बढ़ा : अब 12 अक्टूबर अंतिम सूची

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत निर्वाचन आयोग ने तेलंगाना में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समय-सारणी में संशोधन करते हुए इसकी समय सीमा को बढ़ा दिया है। संशोधित कार्यक्रम के तहत अब अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 12 अक्टूबर को किया जाएगा। यह बदलाव तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा 15 जुलाई को निर्वाचन आयोग से किए गए एक औपचारिक अनुरोध के बाद हुआ है। सत्तारूढ़ कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा मतदाता सत्यापन की धीमी गति का हवाला देने और समय सीमा बढ़ाने के प्रतिनिधित्व के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह कदम उठाया।

तेलंगाना मतदाता सूची पुनरीक्षण का संशोधित शेड्यूल:

* घर-घर जाकर सत्यापन : 3 अगस्त तक
* मतदान केंद्रों का युक्तिकरण और पुनर्गठन : 3 अगस्त तक
* प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन: 10 अगस्त तक
* दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि: 10 अगस्त से 9 सितंबर तक
* नोटिस जारी करना और दावों/आपत्तियों का निपटारा: 10 अगस्त से 8 अक्टूबर तक
* अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन: 12 अक्टूबर।

बीते कल, हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर के नेतृत्व में कांग्रेस के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात की थी और समय सीमा को आगे बढ़ाने के लिए एक औपचारिक याचिका सौंपी थी।

पार्टी ने इस सत्यापन अभियान की धीमी गति को लेकर कई गंभीर चिंताएं व्यक्त की थीं।

* हैदराबाद में अधूरा नामांकन: हैदराबाद में अब तक केवल 21 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। ▶8 पर

शाबाद हत्याकांड : अपने परिवार को क्यों मारा?

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद के बाहरी इलाके शाबाद में छह लोगों की हत्या के पीछे के असल मकसद का पता लगाने के लिए पुलिस सभी संभावित पहलुओं से बारीकी से जांच कर रही है। इस वीभत्स हत्याकांड को कथित तौर पर पार्वती राज कुमार नाम के व्यक्ति ने अंजाम दिया था, जिसके बारे में माना जा रहा है कि बाद में उसने खुदकुशी कर ली। सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, राज कुमार कथित तौर पर पिछले लगभग एक साल से एक नाबालिग लड़की को प्रताड़ित कर रहा था। जब उसकी पत्नी सरिता को इन आरोपों की जानकारी मिली, तो उसने राज कुमार का कड़ा विरोध किया, जिसके कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होने लगे। बताया जा रहा है कि सरिता ने इस गंभीर मसले को सुलझाने के लिए परिवार के बुजुर्गों और गणमान्य लोगों की एक बैठक बुलाने की योजना भी बनाई थी।

पारिवारिक कलह और अनहोनी के डर से सरिता ने अपने बड़े बेटे को मोइनाबाद में रहने वाले अपने चाचा के घर भेज दिया था। हालांकि, बाद में राज कुमार ने कथित तौर पर सरिता को यह विश्वास दिला दिया कि वह पूरी तरह सुधर चुका है और बदल गया है, जिसके बाद सरिता अपने बच्चे को वापस घर ले आई थी।

इस बीच, शाबाद पुलिस स्टेशन में राज कुमार के खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद उसने अदालत से अग्रिम जमानत हासिल कर ली। जमानत पर बाहर आने के बाद राज कुमार ने इस खौफनाक सामूहिक हत्याकांड को अंजाम दिया। कथित तौर पर राज कुमार द्वारा रिकॉर्ड किए गए एक सेल्फी वीडियो के आधार पर यह माना जा रहा है कि उसने नाबालिग लड़की के परिवार को विशेष रूप से इसलिए निशाना बनाया क्योंकि उसका मानना था कि उन लोगों ने उसके साथ धोखा किया है। इस पूरे मामले में पुलिस के सामने अभी भी कई अनसुलझे सवाल खड़े हैं। पुलिस प्रशासन इस बात का पता लगाने की पुरजोर कोशिश कर रहा है ▶8 पर

मद्रासी छात्रा मिस यूनिवर्स तेलंगाना 2026

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
आईआईटी मद्रास में डेटा साइंस और एप्लीकेशंस की पढ़ाई कर रहीं हसिथा नारायणभट्टा ने पुराने ट्रेंड को तोड़ते हुए नया मुकाम हासिल किया है। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने मिस यूनिवर्स तेलंगाना 2026 का खिताब जीत लिया है। अब वह मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करेंगी। हसिथा ने जीएनआईटी, हैदराबाद से बीटेक किया है। उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ ब्यूटी पेजेंट में भी शानदार प्रदर्शन किया। उनकी सफलता दिखाती है कि मेहनत और सही बैलेंस के साथ छात्र पढ़ाई के साथ अपनी दूसरी रुचियों में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

हसिथा नारायणभट्टा ने केवल इंजीनियरिंग और डेटा साइंस तक ही खुद को सीमित नहीं रखा बल्कि उन्होंने ईसरो के भारतीय दूरस्थ संवेदन संस्थान से रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज एनालिसिस की ट्रेनिंग भी ली है। पढ़ाई, तकनीक और ब्यूटी पेजेंट तीनों क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियां उन्हें नई पीढ़ी की एक बहुमुखी प्रतिभा वाली युवा के रूप में पहचान दिलाती हैं।

अपनी इस जर्नी के बारे में बताते हुए हसिथा कहती हैं कि यह खिताब केवल ब्यूटी पेजेंट में जीत से कहीं अधिक मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा कि मेरी यात्रा इस विश्वास को दर्शाती है कि उत्कृष्टता किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। शिक्षा, प्रौद्योगिकी और कला प्रदर्शन में संतुलन बनाकर, मैं युवाओं को आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ विभिन्न रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहती हूं।

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^{0}
न्यूनतम : 24^{0}

फिर 100% सज़ा

रूस से तेल खरीदने वालों पर शिकंजा

वॉशिंगटन डीसी, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था,

लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है। भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4% था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ▶8 पर

यूएस ने 7 घंटे बरसाये बम ईरान ने भी किया पलटवार

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया। उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। IRGC ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा। दूसरी ओर,

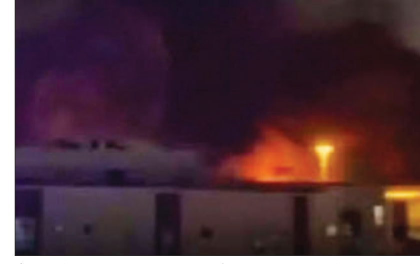

ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी रणनीति जारी रखेगा।

ईरानी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो व्यापारिक जहाजों पर हमला किया। इसमें 1 भारतीय शख्स की मौत हो गई जबकि 10 लोग घायल हुए। जहाज पर कुल 20 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे। ▶8 पर

अंधेरा होते ही हरे रंग की रोशनी बिखेरने लगती हैं ये मशरुम

मेक्सिको सिटी

वैज्ञानिकों को मेक्सिको के घने और नम क्लाउड फारेस्ट में मशरूम की कुछ अनोखी प्रजातियाँ मिली हैं। यह मशरुम अंधेरा होते ही हरे रंग की रोशनी बिखेरने लगती हैं। इनमें से कुछ प्रजातियों को दुनिया में पहली बार खोजा गया है। ये मशरूम अपनी जैव-दीप्ति (बायोल्यूमिनसेंस) के कारण रात में किसी छोटे हरे लैंप की तरह चमकते हैं, जो जंगल में एक जादुई दृश्य पैदा करते हैं। आखिर ये मशरूम कैसे चमकते हैं, यह सवाल कई लोगों के मन में उठता है। इन मशरूम के अंदर लुसिफेरिन नामक एक विशेष रासायनिक यौगिक और लुसिफेरेज नामक एक एंज़ाइम मौजूद होता है। जब ये दोनों पदार्थ आपस में रासायनिक प्रतिक्रिया करते हैं, तो ऊर्जा प्रकाश के रूप में उत्पन्न होती है। इसी रासायनिक प्रक्रिया के कारण ये मशरूम रात में हल्के हरे रंग से चमकते हुए दिखाई देते हैं।

जुगनुओं के चमकने के पीछे भी ठीक यही वैज्ञानिक सिद्धांत और रासायनिक प्रतिक्रिया काम करती है। यह रोशनी इतनी हल्की होती है कि दिन के उजाले में इसे देख पाना असंभव होता है, लेकिन जैसे ही घना अंधेरा होता है, इनकी चमक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगती है। इन्हें करीब से देखने के लिए जंगल में पूर्ण अंधकार का होना आवश्यक है। एक विस्तृत शोध में बताया गया है कि वैज्ञानिकों ने पश्चिमी मेक्सिको के एक संरक्षित जंगल क्षेत्र में माइसेना ग्रुप के कई चमकने वाले मशरूमों की खोज की है। ये मशरूम आमतौर पर सड़े-गले पेड़ों की लकड़ी पर उगते हैं और ठंडे व अत्यधिक नम वातावरण में तेजी से पनपते हैं। यह इनका पसंदीदा निवास स्थान होता है, जो इनकी वृद्धि के लिए आदर्श परिस्थितियाँ प्रदान करता है। इससे पहले भी मेक्सिको में चमकने वाले मशरूम मिलने के प्रमाण मिले थे।

एक अन्य शोध में मेक्सिको में पहली बार माइसेना स्टाइलोबेट और पेनेलस स्टीपटिक्स नाम के दो मशरूमों के चमकने की आधिकारिक पुष्टि हुई थी। हालांकि, पेनेलस स्टीपटिक्स मशरूम पहले भी मेक्सिको में पाया गया था, लेकिन यह पहली बार था जब यह वैज्ञानिक रूप से साबित हुआ कि वहां की यह विशेष प्रजाति वास्तव में चमकती है। यह खोज वैज्ञानिकों के लिए रोमांचक थी क्योंकि यह विभिन्न क्षेत्रों में प्रजातियों की अनूठी विशेषताओं को समझने में मदद करती है। वैज्ञानिक अभी भी इस रहस्य का सही कारण पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ये मशरूम क्यों चमकते हैं। सबसे मजबूत और व्यापक रूप से स्वीकृत सिद्धांत यह है कि रात में निकलने वाली हरी रोशनी की वजह से कीड़े-मकौड़े इन मशरूम की ओर आकर्षित होते हैं। जब ये कीड़े मशरूम के संपर्क में आते हैं, तो मशरूम के सूक्ष्म बीजाणु उनके शरीर से चिपक जाते हैं।

ये बीजाणु फिर कीड़ों द्वारा दूसरे स्थानों तक पहुंचा दिए जाते हैं, जिससे मशरूम को नई जगहों पर बढ़ने और अपनी प्रजाति का विस्तार करने में मदद मिलती है।

न्यूज़ ब्रीफ

यूक्रेन के लिए जून रहा घातक, रूसी हमले में 293 नागरिक मारे गए : संयुक्त राष्ट्र

कीव। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि अप्रैल 2022 के बाद इस साल जून का महीना यूक्रेनी नागरिकों के लिए सबसे घातक रहा। रूस ने युद्ध के मोर्चे से दूर शहरों पर हमले तेज कर दिए। इसका बहुत बुरा असर पड़ा है। यूक्रेन में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निगरानी मिशन ने बताया कि जून में कम से कम 293 यूक्रेनी नागरिक मारे गए। इस साल अब तक मारे गए नागरिकों की कुल संख्या लगभग 1,400 हो गई है। यह संख्या पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 37 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निगरानी मिशन की प्रमुख डेनियल बेल ने कहा कि जून के आंकड़े भयावह और चिंताजनक हैं। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से लंबी दूरी की रूसी मिसाइलों के कारण हुई। इनको निप्रो, ओडेसा और राजधानी कीव जैसे शहरों की रिहायशी इमारतों पर दागा गया । संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, लंबी दूरी के हथियारों से नागरिकों के हताहत होने की संख्या में जनवरी से जून के बीच 60 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युद्ध के मोर्चे के सबसे करीब के इलाकों में 2026 में नागरिकों की ज्यादातर मौतों और चोटों के लिए कम दूरी के ड्रोन जिम्मेदार रहे हैं। बेल ने कहा कि इन ड्रोनों ने मोर्चे के पास रहने वाले नागरिकों के लिए हालात पूरी तरह बदल दिए हैं। डरे हुए लोगों ने खाने-पीने का सामान खरीदना और कुत्तों को टहलाना बंद कर दिया है। दो जुलाई को कीव पर रूस के एक हमले में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई था, जिनमें छह लोगों का एक परिवार भी शामिल था।

नेपाल में यातायात नियम तोड़ने पर करना होगा श्रमदान, नया कानून लाने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल सरकार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूलने के बजाए

अब श्रमदान कराने को लेकर नया कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस आशय का विधेयक संसद में विचाराधीन है। नियमों के उल्लंघन करने पर जुर्माना राशि 50 हजार से लेकर 1 लाख रुपये करने के फैसले का सर्वत्र विरोध हो चुका है। सरकार ने तर्क दिया कि जुर्माना राशि बढ़ाने का फैसला दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से किया गया। आम आदमी पर इसका आर्थिक बोझ बढ़ने के कारण नए कानून का मसौदा तैयार किया गया है। इस प्रस्तावित विधेयक में जुर्माना न चुकाने वालों से सरकारी श्रम शिविर में काम कराकर भी उसकी भरपाई कराई जा सकेगी। यातायातमंत्री सुनिल लम्साल ने प्रतिनिधि सभा की बैठक में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। लम्साल ने कहा कि अभी नियम उल्लंघन पर जुर्माना बहुत कम है। एक बार में 50 हजार रुपये जुर्माना लगाने के पीछे सरकार की नीयत पैसे वसूलना नहीं बल्कि लोगों को ट्रैफिक नियम का पालन करने को लेकर और अधिक सचेत करना है। लम्साल के अनुसार, यदि कोई चालक तीन बार स्पीड लिमिट का उल्लंघन करता है, तभी उससे 50 हजार रुपये तक का जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा, बार-बार नियम तोड़ने वालों का ड्राइविंग लाइसेंस भी रद्द किया जा सकेगा। मंत्री लम्साल ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक में यह भी व्यवस्था की गई है कि जो व्यक्ति नकद जुर्माना देने में सक्षम नहीं होगा, वह सरकार के लिए श्रमदान कर जुर्माने की भरपाई कर सकेगा।

रवि लामिछाने की मीडिया संस्थानों के गेट पर वाहन खड़ा करने की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने मीडिया संस्थानों के गेट के

सामने वाहन खड़ा करने की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह मांग संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की गई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस गतिविधि में पार्टी के किसी नेता या कार्यकर्ता की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लामिछाने ने कहा, पार्टी पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। हमने आधिकारिक बयान जारी कर सबसे पहले कहा कि यह गलत है और ऐसा नहीं होना चाहिए। हमने इस मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है तथा अपने इस रुख पर कायम हैं। लामिछाने ने कहा, हम अपने स्पष्ट रुख पर अडिग हैं। फिलहाल किसी को छोड़ा गया या गिरफ्तार किया गया, कौन-सा मामला दर्ज हुआ या नहीं हुआ, यह अलग विषय है।

ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी शुरू, 20 से ज्यादा युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान मोर्चे पर, खाड़ी देशों पर हमला

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकाबंदी शुरू कर दी है। 20 ज्यादा युद्धपोतों और सैकड़ों सैन्य विमानों से ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों से गुजरने वालों जहाजों की सख्त निगरानी की जा रही है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने स्थानीय समयानुसार मंगलवार को एक्स पोस्ट में यह घोषणा की। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 प्रतिशत टैरिफ के अपने फैसले को पलट दिया है। अमेरिका ने ईरान पर लगातार चौथी रात हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि उसने कुवैत, बहरीन और जार्डन में अमेरिकी ठिकानों के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य में दो बड़े तेल टैंकरों पर भी हमले किए।

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर फिर से नाकाबंदी शुरू कर दी। शिपिंग इंडस्ट्री के भारी विरोध के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कार्गो पर 20 प्रतिशत टोल लगाने की योजना को रद्द कर दिया है। इसकी जगह खाड़ी देशों के साथ व्यापार और निवेश समझौते करने का फैसला किया। ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य के इस्तेमाल के लिए अपना टोल वसूलने की संभावना से इनकार नहीं किया है और बिना इजाजत इस जल मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को धमकी भी दी है। ताजा जंग से पिछले दो दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है।

फिर हमला: सेंटकाम ने कहा है कि इस समय मध्य पूर्व में अमेरिकी नौसेना के 20 से ज्यादा युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान तैनात हैं। सेंटकाम ने कहा कि नाकाबंदी शाम चार बजे (पूर्वी समय) फिर से लागू की गई। इस दौरान अमेरिकी सेना ने ईरानी क्षमताओं को कम करने के लिए अभियान जारी रखा। इससे पहले, सेंटकाम ने घोषणा की थी कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ एक और दौर के हमले शुरू किए हैं। सेंटकाम ने एक अलग पोस्ट में कहा, (पूर्वी समय) अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के खिलाफ हमले शुरू किए।

वाशिंगटन-तेहरान के बीच तनाव बढ़ा: अमेरिकी सेना ने इन हमलों में शामिल जगहों या लक्ष्यों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। यह घटनाक्रम समुद्री सुरक्षा और होर्मुज जलडमरूमध्य (वैश्विक ऊर्जा परिवहन का महत्वपूर्ण मार्ग है) में कमर्शियल जहाजों पर हमलों को लेकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है। इससे पहले दिन में सेंटकाम ने बताया कि अमेरिकी सेना ने 13 जुलाई को रात 10:15 बजे (पूर्वी समय) ईरान के सैन्य ढांचे पर एक और सुनियोजित हमले का दौर पूरा किया। पांच घंटे चले इस अभियान में ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनारक, अबू मूसा और बंदर अब्बास में अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान के तटीय रक्षा सिस्टम, मिसाइल लान्च इंफ्रास्ट्रक्चर, ड्रोन ठिकानों और नौसैनिक क्षमताओं को बेअसर करने के लिए सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

शिपिंग कारोबारी हुसैन शामखानी पर प्रतिबंध: इसके बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिकी हमलों के जवाब में अपने आपरेशन नसर 2 के तीसरे चरण के दौरान बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। वहीं, अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के शिपिंग कारोबारी मोहम्मद हुसैन शामखानी से कथित तौर पर जुड़े दर्जनों लोगों, कंपनियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगा दिए। ईरान के एक सुरक्षा अधिकारी के बेटे शामखानी को अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने बड़े शिपिंग साम्राज्य का प्रमुख बताया है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि वह ईरान और रूस का तेल ढोता है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने इसकी पुष्टि की।

बंदर अब्बास और सिरिक में धमाके: अमेरिका के हमले के बीच ईरान के बंदर अब्बास और सिरिक में धमाकों की आवाज सुनी गई। सिरिक और बंदर अब्बास होर्मुज जलडमरूमध्य के किनारे स्थित हैं और ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान के दौरान अकसर निशाने पर रहते हैं। कुवैत का कहना है कि उसने ईरान के दर्जनों ड्रोन और मिसाइलों को रोका है। ईरान ने उसके युद्धपोत पर हमला किया। इस हमले में चार सैनिक घायल हो गए। कुवैती सेना का कहना है कि उसने मंगलवार शाम 33 ड्रोन, पांच क्रूज मिसाइल और एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोक दिया गया।

अमेरिकी प्रोजेक्टाइल ईरान के देहलोरान शहर से टकराया: ईरान की फार्स समाचार एजेंसी ने इराक की सीमा के पास स्थित इलाम प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में देहलोरान शहर पर अमेरिकी के प्रोजेक्टाइल से हुए हमले का दावा किया है। एजेंसी ने बताया कि संभावित नुकसान के बारे में अभी कोई और जानकारी नहीं है। सेंटकाम ने ईरान पर पूरे क्षेत्र में नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। सेंटकाम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि इन हमलों में लगभग एक दर्जन नागरिक और क्रू सदस्य मारे गए। उन्होंने कहा कि ईरान ने पड़ोसी खाड़ी देशों की ओर दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं।

साल 2050 तक कैंसर बनेगा कोरोना से भी बड़ी आपदा : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा

साल 2050 तक कैंसर कोरोना महामारी से भी बड़ी आपदा का रूप ले सकता है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दशकों में कैंसर दुनिया की 92 प्रतिशत आबादी को किसी न किसी रूप में प्रभावित करेगा, जिनमें मरीज और उनके देखभालकर्ता दोनों शामिल होंगे। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा जारी इस ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक समुदाय को गंभीर चिंता में डाल दिया है। यह भयावह आंकड़ा दर्शाता है कि यह सिर्फ एक बीमारी नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक संकट बनने की राह पर है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में हर पांच में से एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार कैंसर का शिकार हो सकता है। वर्तमान में भी कैंसर एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। साल 2024 में दुनियाभर में 20.6 मिलियन से अधिक नए कैंसर के मामले सामने आए हैं। पुरुषों में सबसे ज्यादा फेफड़ों का कैंसर (16 लाख मामले) और प्रोस्टेट कैंसर (15 लाख मामले) देखे गए, जबकि महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे आम रहा, जिसके 24 लाख नए मामले दर्ज किए गए। इसके बाद फेफड़े का कैंसर (10 लाख) और कोलोरेक्टल कैंसर तीसरे नंबर पर रहे। यह बीमारी अब समय से पहले मौत का एक बड़ा कारण बन रही है, क्योंकि 2024 में कैंसर से हुई 97 लाख मौतों में से 48 लाख से अधिक लोग 30-69 वर्ष के आयु वर्ग के थे। कैंसर का प्रभाव केवल मरीजों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवारों और समुदायों को भी तबाह कर रहा है। रिपोर्ट बताती है कि हर साल लगभग 4 लाख बच्चे और किशोर (0-19 वर्ष) कैंसर की चपेट में आते हैं, जिनमें से अधिकांश गरीब और मध्यम आय वाले देशों से होते हैं। साल 2020 में कैंसर से हुई मौतों के कारण दुनिया भर में लगभग 24.5 लाख बच्चे अनाथ हो गए, जिनमें 10.4 लाख बच्चों ने अपनी मां को और 14.1 लाख ने अपने पिता को खोया। स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर इन मातृ-अनाथ बच्चों के सबसे बड़े कारण रहे। भारत, चीन, नाइजीरिया, इंडोनेशिया, इथियोपिया और पाकिस्तान जैसे विकासशील देश इन मामलों के 40 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं, जो इस संकट की असमान प्रकृति को उजागर करता है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कैंसर से पीड़ित आधे से अधिक लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करते हैं, और उनके देखभालकर्ता भी तनाव, उदासी व सामाजिक अलगाव महसूस करते हैं।

पाकिस्तान में दो बसों में टक्कर, पांच की मौत, 25 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखूपुरा जिले के नारंग मंडी शहर में मंगलवार रात दो बसों की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। यह हादसा सिधनवाली स्टाप के पास काला खटाई रोड पर हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर से शकरगढ़ जा रही बस एक मोटरसाइकिल को बचाने की कोशिश में सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों बसें सड़क पर पलटते हुए खेतों में जा गिरीं। हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। मृतकों व घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया। बचाव सूत्रों ने बताया कि तीन घायल यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण बाद में उन्हें लाहौर भेज दिया गया।

थाईलैंड के सुपरमार्केट में मिलता है केले के पत्तों में सामान

बैंकाक

प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या निपटने थाईलैंड के सुपरमार्केट ने प्रभावी कदम उठाया है, जो पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने प्लास्टिक पैकेजिंग पर रोक लगाते हुए केले के पत्तों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। अब फल, सब्जियां और अन्य सामान केले के पत्तों में लपेटकर ग्राहकों को दिया जा रहा है, जिससे प्लास्टिक के कचरे को कम करने की दिशा में एक बड़ी उम्मीद जगी है। थाईलैंड के कई सुपरमार्केट चेन ने प्लास्टिक बैग और रैप की जगह केले के पत्तों को अपनाया है। केले के पत्ते बड़े, मजबूत और प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होते हैं। इन्हें आसानी से साफ किया जा सकता है और इनमें सामान पैक करने के बाद इन्हें सीधे खाद में बदला जा सकता है। यह पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल है और कुछ ही हफ्तों में मिट्टी में मिल जाता है, जिससे पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता।

यह पहल कई कारणों से सफल हो रही है। केले के पत्ते थाईलैंड में आसानी से उपलब्ध हैं क्योंकि केला वहां की प्रमुख फसल है। फल तोड़ने के बाद पौधे की पत्तियां और तने अक्सर बेकार हो जाते हैं। इन्हें पैकेजिंग में इस्तेमाल करके कृषि अपशिष्ट को उपयोगी बनाया जा रहा है, जिससे न केवल प्लास्टिक का उपयोग कम हुआ है, बल्कि किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत भी मिल रहा है। लोगों की प्रतिक्रिया भी बेहद सकारात्मक है। कई ग्राहक कह रहे हैं कि यह तरीका न सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि सामान को ताजा भी रखता है। केले के पत्ते नमी सोखते हैं और प्राकृतिक एंटी-बैक्टीरियल गुण रखते हैं, जिससे खराब होने की संभावना कम होती है। थाईलैंड जैसे देश जहां पर्यटन और कृषि महत्वपूर्ण हैं, वहां प्लास्टिक प्रदूषण समुद्रों और वन्यजीवों के लिए एक गंभीर खतरा बन गया था।

इस पहल से प्लास्टिक कचरा कम होने की उम्मीद है, और विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इसे बड़े स्तर पर अपनाया जाए तो सालाना हजारों टन प्लास्टिक बचाया जा सकता है। यह पहल विश्व स्तर पर चर्चा में है और कई देशों के पर्यावरण कार्यकर्ता इसे एक मिसाल बता रहे हैं। भारत में भी कुछ जगहों पर केले के पत्तों में खाना परोसने की परंपरा है। अगर सुपरमार्केट और किराना दुकानें इसे अपनाएं तो प्लास्टिक कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसमें चुनौतियां भी हैं। केले के पत्ते प्लास्टिक जितने टिकाऊ नहीं होते, जिससे भारी सामान या लंबी दूरी की डिलीवरी में समस्या हो सकती है।

यूएई का मास्टरप्लान: नए बंदरगाह से बदलेगा खाड़ी व्यापार, होर्मुज की निर्भरता कम करने की तैयारी

दुबई

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक व्यापार के लिए एक नया और संवेदनशील मोर्चा बना दिया है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक वर्चस्व की होड़ में, दुनिया के कई देशों की तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कुछ स्थानों पर किल्लत जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस गंभीर समस्या का समाधान निकालने के लिए, भारत के करीबी सहयोगी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है, जिसके तहत अगले 18 महीनों में होर्मुज की निर्भरता को खत्म करने और तेल आपूर्ति के लिए एक नया, सुरक्षित विकल्प खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है।

दुबई की दिग्गज लाजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड अब होर्मुज स्ट्रेट के खतरे को स्थायी रूप से टालने की तैयारी में है। यूएई इसके लिए अपने पूर्वी तट पर एक बिल्कुल नया, आधुनिक

और हाईटेक बंदरगाह तथा विशाल कंटेनर टर्मिनल बनाने की तैयारी में जुट गया है। इस रणनीतिक मास्टरप्लान का सीधा मकसद दुनिया के सबसे व्यस्त बंदरगाहों में से एक जेबेल अली पर अपनी निर्भरता को कम करना है, ताकि होर्मुज के संकरे रास्ते में ईरान जब चाहे तब बाधा न डाल सके। जब से ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को ब्लाक करने की धमकी दी है, तब से खाड़ी देशों का समुद्री व्यापार काफी प्रभावित हुआ है। मध्य पूर्व के सबसे बड़े और दुबई की आर्थिक शक्ति माने जाने वाले जेबेल अली पोर्ट पर व्यापारिक गतिविधियों में 90 से 95 प्रतिशत की भारी और ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। इस विशाल पोर्ट पर अब बड़े मालवाहक जहाजों का आना-जाना लगभग पूरी तरह ठप हो चुका है। जेबेल अली सिर्फ एक बंदरगाह नहीं, बल्कि पूरी दुबई की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए इस भयानक नाकेबंदी ने यूएई की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इसी बड़े संकट से निपटने के लिए अब यूएई ने होर्मुज के उस पार, सीधे ओमान की खाड़ी से लगते अपने पूर्वी तट पर मौजूद फुजैरा में एक नया मल्टीपर्पज पोर्ट बनाने की योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया है।

डीपी वर्ल्ड के इस नए मास्टरप्लान को लेकर दुनिया भर के कूटनीतिक और व्यावसायिक गलियारों में भारी हलचल है। इंफ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञों का दावा है कि अगर वैश्विक परिस्थितियां और फंडिंग योजना के अनुसार रहीं, तो यह नया पोर्ट और हाईटेक टर्मिनल मात्र 18 महीने के रिकार्ड समय में बनकर पूरी तरह तैयार हो सकता है। हालांकि, इसके अंतिम डिजाइन और बड़े वित्तीय इंतजामों पर अभी भी अंतिम दौर की बातचीत चल रही है। यूएई के शीर्ष अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस नए वैकल्पिक पोर्ट को बनाने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि जेबेल अली का महत्व खत्म हो जाएगा, बल्कि जेबेल अली वैश्विक व्यापार में अपना कद हमेशा बनाए रखेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। शाम के वक्त सेहत गड़बड़ हो सकती है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ–बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

सेहत बढ़िया रहेगी। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। एक मज़ेदार शाम के लिए दोस्त आपको अपने घर पर बुलाएंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। आप बहुत कठिन काम पूरा करने में क़ामयाब रहेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना–फिरना आपके दिलो–दिमाग़ पर छाया रहेगा। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ समय नहीं बिताएंगे, तो आप घर पर समस्याओं की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ़ करके आप अपनी ज़िंदगी में सुधार ला सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। कामकाज के सि–लसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली–भांति विचार कर लें। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 जुलाई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 08:55 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 07:53 तक
योग : सिद्धि रात्रि 01:22 तक
करण : कौलव प्रातः 08:55 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 07:53 तक
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री जगन्नाथ रथयात्रा, कर्क संक्रांति रात्रि 11:13 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से सूर्यास्त तक, गुरु तारा अस्त रात्रि 01:27 से , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मैत्री ही धर्म का प्रवेश द्वार, नफरत आत्मा के सद्गुणों का करती है विनाश : कमल मुनि

मैसूरु, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानकवासी जैन संघ, हल्लदकेरी के तत्वावधान में विराजित कमल मुनि कमलेश ने अग्रहार स्थित तेरापंथ सभागार में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के सभी धर्मों में भगवान की उपासना पद्धतियां भले ही अलग–अलग हों, किंतु सभी ने मैत्री को धर्म का प्रवेश द्वार बताया है। उन्होंने कहा कि मैत्री ही साधना का राजमार्ग है तथा मोक्ष की मंजिल तक पहुंचने में नींव के पत्थर की भांति सहयोगी सिद्ध होती है।

कमल मुनि ने कहा कि मैत्री के बिना की गई आराधना और भक्ति, मुर्दे का शृंगार करने के समान है। स्वार्थ, मोह, पद और प्रतिष्ठा के आधार पर की गई मित्रता आत्मा के साथ अन्याय, धर्म के साथ धोखा तथा परमात्मा का अपमान करने के समान है। उन्होंने कहा कि गरीब–अमीर, ऊंच–नीच तथा छोटे–बड़े के भेदभाव से ऊपर उठकर प्राणी मात्र के प्रति निस्वार्थ भाव से की गई मैत्री आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है और आत्मा को परमात्मा बनाने में सहायक बनती है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति मैत्री करने वाले के साथ भी नफरत का व्यवहार करता है, वह राक्षस और शैतान के समान है। ऐसा व्यक्ति चाहे कितनी भी कठोर साधना कर ले, वह कर्मबंधन का ही कारण बनेगा। वहीं जो व्यक्ति नफरत करने वालों के साथ भी मैत्री का व्यवहार करता है, वह धरती पर चलता–फिरता भगवान के समान है और उसमें सभी तीर्थ समाहित हो जाते हैं।

संत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार खून से सना हुआ कपड़ा खून से कभी साफ नहीं हो सकता, उसी प्रकार नफरत से नफरत कभी समाप्त नहीं होती। उन्होंने कहा कि नफरत परमाणु बम से भी अनंत गुना अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह आत्मा के सद्गुणों का नाश कर विश्व में हिंसा और वैमनस्य फैलाती है। केवल मैत्री के माध्यम से ही नफरत पर विजय प्राप्त की जा सकती है और ऐसा व्यक्ति विश्व विजेता से भी महान होता है।

इस अवसर पर घनश्याम मुनि एवं कौशल मुनि ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया, जबकि सक्षम मुनि एवं अक्षत मुनि ने भी धर्मसभा को संबोधित किया।

कार्यक्रम में तेरापंथ संघ के अध्यक्ष मदनलाल मारू, पूर्व सचिव जितेंद्र चोपड़ा, सुरेश पितलिया, उपासक राजेश आच्छा, भीकमचंद बाफना तथा नितिन बोहरा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने संतों का अभिनंदन किया तथा पदयात्रा सेवा का लाभ प्राप्त किया।

रोटरी क्लब ऑफ निजामाबाद की 74वीं नवीन कार्यकारिणी ने ली शपथ

निर्वाचित जिला गवर्नर हरिहर प्रसाद ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

निजामाबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी क्लब ऑफ निजामाबाद के तत्वावधान में स्थानीय रोटरी कम्युनिटी सेंटर में क्लब की 74वीं नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी जिला–3150 के वर्ष 2027–28 के निर्वाचित गवर्नर रोटे. हरिहर प्रसाद उपस्थित रहे। उन्होंने नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रोटरी जिला–3150 के पूर्व गवर्नर रोटे. गौतम तथा असिस्टेंट गवर्नर रोटे. जितेंद्र मालानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए रोटरी के सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।

समारोह में वर्ष 2025–26 के लिए अध्यक्ष श्रीकांत जवाहर, सचिव डॉ. अंकिता अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष पवन पांडे ने अपनी कार्यकारिणी के साथ शपथ ग्रहण कर क्लब की जिम्मेदारियां संभालीं। कार्यक्रम में गत वर्ष के अध्यक्ष श्याम अग्रवाल, सचिव गोविंद जवाहर एवं कोषाध्यक्ष जुगल जाजू के नेतृत्व में क्लब द्वारा संचालित उत्कृष्ट सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उन्हें सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही क्लब के सक्रिय सदस्यों को प्रतिभा पुरस्कार एवं रिकग्निशन अवॉर्ड भी प्रदान किए गए।समारोह में रोटरी क्लब के सदस्यों के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं एवं गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। जेम्स क्लब, कामारेड्डी क्लब, आर्मूर क्लब, बोधन क्लब सहित अन्य पड़ोसी रोटरी क्लबों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी समारोह में उपस्थित होकर नवीन अध्यक्ष एवं सचिव सहित पूरी टीम का अभिनंदन किया।इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीकांत जवाहर ने कहा कि रोटरी के मूल सिद्धांत सर्विस एबव सेल्फ को आत्मसात करते हुए निजामाबाद क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में और अधिक व्यापक एवं प्रभावी कार्य किए जाएंगे। सौहार्दपूर्ण वातावरण, उत्साहपूर्ण सहभागिता और सेवा के संकल्प के साथ समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भव्य गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव चेन्नई में 26 से

सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य सान्निध्य में होगा दो दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव

चेन्नई, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, चेन्नई केंद्र एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के संयुक्त तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव–2026 का भव्य आयोजन 26 एवं 27 जुलाई, 2026 को चेन्नई स्थित द मद्रास बंगलोज़ में श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ किया जाएगा। दो दिवसीय इस आध्यात्मिक महोत्सव में देश–विदेश से बड़ी संख्या में गुरु भक्त, साधक एवं श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी का दिव्य सान्निध्य एवं पावन आशीर्वाद रहेगा।

यह जानकारी देते हुए ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि आश्रम की महिला चेयरपर्सन श्रीमती सरला बोथरा ने बताया कि ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी वर्तमान युग के ऐसे दिव्य संत हैं, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा, आध्यात्मिक जागरण, विश्व शांति और लोककल्याण के लिए समर्पित किया है। उनके प्रेरणादायी संदेश व्यक्ति को अपनी आत्मशक्ति पहचानने, चरित्र निर्माण करने तथा ज्ञान, सेवा और सदाचार के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने बताया कि ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी शिक्षा, सेवा, साधना और संस्कार को जीवन की सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं। उनका जीवन–दर्शन लर्निंग, अर्निंग और रिटर्निंग के सिद्धांत पर आधारित है, जिसका आशय हैज्ञान अर्जित कर स्वयं को योग्य बनाना, ईमानदारी से आजीविका अर्जित करना तथा अपनी क्षमता और संसाधनों को पुनः समाज के कल्याण के लिए समर्पित करना। वे मानव सेवा को ही ईश्वर की सच्ची उपासना मानते हुए कहते हैं कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। उनके उपदेशों में संयम, अहिंसा, तप, सदाचार, आत्मचिंतन तथा नैतिक जीवन को विशेष महत्व दिया गया है।

महोत्सव के प्रथम दिवस 26 जुलाई (रविवार) को सायंकाल भव्य गुरु पूर्णिमा समारोह आयोजित होगा। इस दौरान गुरु पूजन, गुरु वंदना, मंगलमयी अमृतवाणी, आध्यात्मिक प्रवचन, महामंगल आरती तथा ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य आशीर्वाद का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा।

दूसरे दिन 27 जुलाई (सोमवार) को प्रातः 10 बजे से मंत्र दीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी श्रद्धालुओं को गुरु परंपरा से जोड़ते हुए आध्यात्मिक साधना का दुर्लभ अवसर प्रदान करेंगे।

श्रीमती सरला बोथरा ने कहा कि यह महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन आध्यात्मिक मूल्यों, विश्व बंधुत्व, मानव सेवा एवं नैतिक जीवन के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का एक विराट अभियान है। पूज्य सिद्धेश्वर गुरुवर के दिव्य संदेश लोगों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, नैतिक आचरण एवं आध्यात्मिक उन्नति की भावना का संचार करते हैं। उनका मानना है कि गुरु का सान्निध्य मनुष्य के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदलने की क्षमता रखता है तथा सच्चे गुरु के मार्गदर्शन से व्यक्ति आत्मिक शांति, सुख, समृद्धि और जीवन के वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति कर सकता है।

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, चेन्नई केंद्र एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजक प्रकाश खिवसरा एवं जगदीश कडवल ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं साधकों से परिवार सहित इस दो दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव में सादर पधारकर पूज्य गुरुवर के दिव्य सान्निध्य, आशीर्वाद एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन का लाभ लेने का आग्रह किया है।

इस अवसर पर शांतिलाल मेहता, आशीष मेहता सहित मंत्र दीक्षा कार्यक्रम में जितेंद्र श्रीमाली एवं प्रमोद पालीवाल की विशेष उपस्थिति रहेगी। आयोजकों ने अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम का दूसरा दिन श्रम मंत्री विवेक ने किया संबोधित

पेद्दापल्ली / हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैरियट होटल, हैदराबाद में ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम–2026 शिखर सम्मेलन का दूसरा दिन जारी रहा। इसमें तेलंगाना के श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी और पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसीकृष्णा ने भाग लिया। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद विविधता और नवाचार का केंद्र है। श्रमिक हर देश के विकास की नींव हैं। सरकार गिग वर्कर्स की सुरक्षा और सम्मानजनक वेतन के लिए प्रतिबद्ध है। तेलंगाना ने गिग वर्कर्स के लिए विशेष कानून और सामाजिक सुरक्षा प्रणाली लागू की है। टॉमकॉम के माध्यम से 16 देशों में 14,000 लोगों को रोजगार दिया गया है।

मदनूर में गुटखा तस्करी पर महाराष्ट्र पुलिस की कार्रवाई, एक गिरफ्तार

मदनूर, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना से महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखा और सुगंधित तंबाकू की तस्करी करने के आरोप में महाराष्ट्र पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत मामला दर्ज किया है।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने रविवार, 12 जुलाई को मदनूर मंडल में गुटखा व्यापारियों की दुकानों पर छापा मारा, लेकिन अवकाश के कारण दुकानें बंद मिलीं।

सूत्रों के अनुसार प्रतिबंध के बावजूद मदनूर में किराना दुकानों से रोजाना लाखों रुपये का गुटखा महाराष्ट्र भेजा जा रहा है, जिसमें महिला–पुरुष दोनों शामिल हैं।

केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेश मंदिर में श्रद्धापूर्वक हुई पूजा–अर्चना

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं ने विधि–विधान के साथ भगवान श्री गणेश की पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि, आरोग्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर प्रवीण कुमार अग्रवाल, संतोष बाई, सेशैय्या गारु, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, पी.सी. जैन, अजय कुमार अग्रवाल, डॉ. राधाकृष्ण सेसैया गरु, सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए मानसाराम अग्रवाल, पीएसआर मूर्ति, प्रमोद कुमार सरायवाला, विजय कुमार थुम्बी, आदिनारायण, राहुल सिंघल, विनोद टिकमानी, विजय रेड्डी, विजयलक्ष्मी, संध्या अग्रवाल, दुर्गा देवी, संतोष बाई अग्रवाल, पूजा अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर पूजा–अर्चना की।

सोनम मित्तल की पुण्य स्मृति में हुआ अन्नदान, जरूरतमंदों की सेवा को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में सोनम मित्तल चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकंदराबाद के सहयोग से स्वर्गीय श्रीमती सोनम मित्तल की पुण्य स्मृति में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित कर स्वर्गीय श्रीमती सोनम मित्तल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि किसी प्रियजन की स्मृति में किया गया सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक होता है और अन्नदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं माना गया है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर सेवा, समर्पण और मानवता के भाव से समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँचाने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, संजय गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

रामगढ़ में पहली बार होगा मुनिसंघ का चातुर्मास, आचार्य वसुनंदी जी ने दिया आशीर्वाद

रांची, 15 जुलाई। रामगढ़ के मेन रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य वसुनंदी जी के शिष्य मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी एवं मुनिश्री 108 शुभानंद जी ससंघ का मंगल प्रवास चल रहा है।

इसी क्रम में रामगढ़ जैन समाज में प्रथम बार मुनिसंघ का चातुर्मास कराने को लेकर उत्साह है। आज सचिव योगेश सेठी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कोलकाता में विराजमान आचार्यश्री वसुनंदी जी से चातुर्मास का निवेदन किया, जिसे आचार्यश्री ने आशीर्वाद प्रदान कर स्वीकृति दी। प्रतिनिधिमंडल में संजय सेठी, देवेंद्र गंगवाल, विकास रपरिया, अरुणा जैन, ममता गंगवाल और निशा सेठी शामिल थे। जानकारी मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है। सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं।

सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तो में प्रसिद है

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घडी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं।

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घडी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं। महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है।

सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं। त्रिदेवों में भगवान शिव संहार के देवता माने गए हैं। शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदिस्रोत हैं और यह काल महाकाल ही ज्योतिषशास्त्र के आधार हैं। शिव का अर्थ यद्यपि कल्याणकारी माना गया है, लेकिन वे हमेशा लय एवं प्रलय दोनों को अपने अधीन किए हुए हैं। शिव में परस्पर विरोधी भावों का सामंजस्य देखने को मिलता है। सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले यह महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तो में प्रसिद है। यह महातपस्वी महा अघोरी और तंत्र मंत्र के रचियता है। तांत्रिको और अघोरियो के यह परम आराध्य है इन्होने अनेको अवतार जनकल्याण के लिए लिया है।

आपने देखा होगा कि शिव भक्त भोले बाबा को बेलपत्र और भांग धतूरा चढाते हैं। जबकि अन्य देवी देवताओं को मिष्टान और विभिन्न प्रकार के भोग चढाते हैं। इसके बावजूद भी भोले बाबा भांग धतूरा और बेलपत्र चढाने वाले पर मेहरबान हो जाते हैं। और जल से शिव भगवान भोलेनाथ को यह सभी चीजें पसंद क्यों है इसका उत्तर पुरणों में मिलता है। पुराणों के अनुसार सागर मंथन के समय जब हालाहल नाम का विष निकलने लग तब विष के प्रभाव से सभी देवता एवं जीव-जंतु व्याकुल होने लगे। ऐसे समय में भगवान शिव ने विष को अपनी अंजुली में लेकर पी लिया। विष के प्रभाव से स्वयं को बचाने के लिए शिव जी ने इसे अपनी कंठ में रख लिया इससे शिव जी का कंठ नीला पड गया और शिव जी नीलकंठ कहलाने लगे।

लेकिन विष के प्रभाव से शिव जी का मस्तिष्क गर्म हो गया। ऐसे समय में देवताओं ने शिव जी के मस्तिष्क पर जल उडलेना शुरू किया जिससे मस्तिष्क की गर्मी कम हुई। बेल के पत्तों की तासीर भी ठंढी होती है इसलिए शिव जी को बेलपत्र भी चढाया गया।

इसी समय से शिव जी की पूजा जल और बेलपत्र से शुरू हो गयी। बेलपत्र जी का मस्तिष्क शीतल रहता और उन्हें शांति मिलती है। इसलिए बेलपत्र और जल से पूजा करने वाले पर शिव जी प्रसन्न होते हैं। शिवरात्रि की कथा में प्रसंग है कि, शिवरात्रि की रात में एक भील शाम हो जाने की वजह से घर नहीं जा सका। उस रात उसे बेल के वृक्ष पर रात बितानी पडी। नींद आने से वृक्ष से गिर न जाए इसलिए रात भर बेल के पत्तों को तोडकर नीचे फेंकता रहा। संयोगवश बेल के वृक्ष के नीचे शिवलिंग था। बेल के पत्ते शिवलिंग पर गिरने से शिव जी प्रसन्न हो गये। शिव जी भील के सामने प्रकट हुए और परिवार सहित भील को मुक्ति का वरदान प्राप्त हुआ।

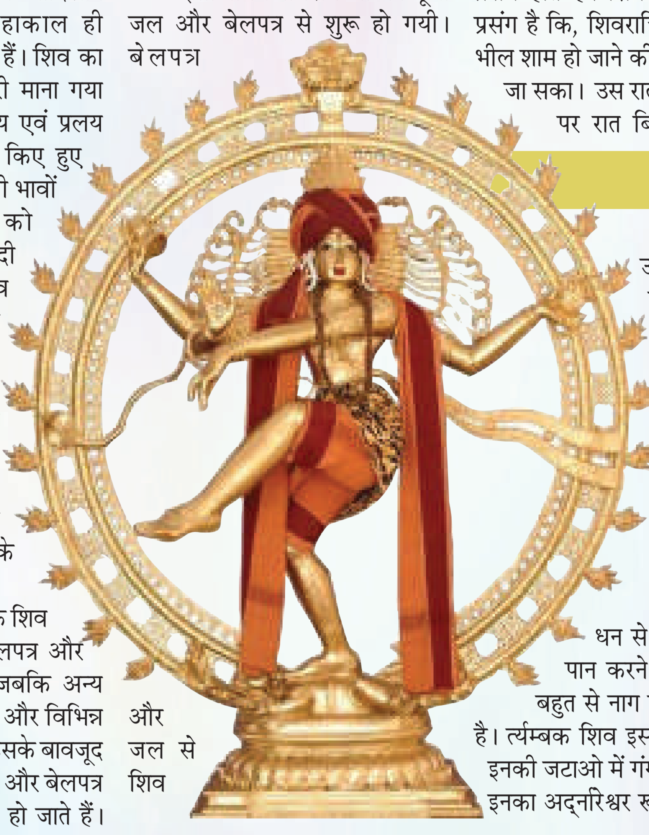

नटराज रूप :

इस रूप में शिवजी नृत्य करते नजर आते है। यह सबसे उत्तम नर्तक और नृत्य के जनक कहलाते है। इनका तांडव नृत्य सबसे प्रमुख है। यह तांडव दोनों रूपों में है एक प्रलयकारी तांडव जो शिव के क्रोधित होने पर किया जाता है। और अन्य सौम्य तांडव जो शिव के प्रसन्न होने पर किया जाता है। रौद्र तांडव शिवजी करने से वो रूद्र कहलाते थे जिससे सृष्टी में महाविनाश आ जाता है।

कैसे दिखाई देते है भोलेनाथ :

जटाधारी शिव एक तपस्वी की तरह दिखते है जो माया धन से परे है। भस्म से अपना श्रंगार करते है। हलाहल विष का पान करने से यह नीलकंठ वाले है। इनकी जटाओ और शरीर पर बहुत से नाग लिपटे हुए है। रुद्राक्ष की माला जटा पर हाथो पर बंधी हई है। त्र्यम्बक शिव इसलिए कहलाते है क्योकि इनके एक तीसरी आँख भी है। इनकी जटाओ में गंगा और शीश पर अर्धचन्द्रमा सुशोभित है। माँ शक्ति के साथ इनका अद्नरिश्वर रूप जगत रचियता है।

ऐसा करने से गणेश जी प्रसन्न होकर सारे विघ्नों को दूर करते हैं

जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते है जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हे हम कष्टो को हरने वाला मानते है।

सर्वप्रथम गणेशजी की पूजा हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है।

''वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटी समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ।।''

हे भव्य शरीर, वक्र सूंड, दश लक्ष सूर्यों की चमक वाले गणेशजी, मेरे सारे कर्मों को विघ्नों से हमेशा मुक्त करते रहना। सर्वप्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा तो हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है। जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते है जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हे हम कष्टो को हरने वाला मानते है।

ऐसे करें पूजा

बुधवार या विनायक चतुर्थी के दिन ब्रहम मूहुर्त में उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें। और भगवान की पूजा करें। इसके बाद दोपहर के समय अपनी इच्छा अनुसार सोने, चांदी, तांबे, पीतल या मिट्टी से बनी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद संकल्प मंत्र पढे और फिर श्री श्रीगणेश की षोडशोपचार (सोलह सामग्रियों से) पूजन-आरती करें। भगवान गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर चढाएं। इसके बाद ऊं गं गणपतयै नम: मंत्र का उच्चारण करते हुए 21 दूर्वा दल चढाएं। और बोग में गुड या बूंदी के 21 लड्डुओं खिलाएं।

इनमें से 5 लड्डू मूर्ति के पास रख दें तथा 5 ब्राहमण को दान कर दें। शेष लड्डू प्रसाद के रूप में बांट दें। इसके बाद पूजा में भगवान श्रीगणेश स्त्रोत, अथर्वशीर्ष, संकटनाशक स्त्रोत आदि का पाठ करें। ब्राहमणों को भोजन कराएं और उन्हें दक्षिणा प्रदान करने के बाद शाम के समय स्वयं भोजन ग्रहण करें। संभव हो तो उपवास करें। इस व्रत का आस्था और श्रद्धा से पालन करने पर भगवान श्रीगणेश की कृपा आप पर बनी रहेगी।

आप जिस काम में हाथ डालोंगे उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी। गणेशजी सभी विघ्नों को हरने वाले और रिद्धि-सिद्धि के दाता माने जाते हैं। इसलिए संबंधित बाधाएँ और विघ्नों को रोकने के लिए गणेशजी की उपासना की जाती है, ताकि मन संयमित रहे और किसी अनिष्ट कार्य का आचरण न हो। संकट चतुर्थी व्रत करने से आप के जीवन में आए हुए हरेक प्रकार के संकट दूर होते हैं और यदि किसी भी प्रकार का दोषारोपण लगा हो तो दूर होता है। समाज में मान-प्रतिष्ठा मिलती है। आयुष्य और बल में वृद्धि होती है और सर्वत्र आप की कीर्ति फैलती है। जलस्नान कराने से जीवन से दु:ख का नाश होता है और सुख का आगमन होता है। जीवन में विद्या, धन संतान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। सफेद पुष्प अथवा जासुद अर्पण करने से कीर्ति मिलती है। दुर्वा अर्पण करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है, आर्थिक उन्नति होती है और संतान का सुख मिलता है। सिंदूर अर्पण करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। धूप अर्पण करने से कीर्ति मिलती है। लड्डू अर्पण करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

यह व्रत सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम कर सौभाग्य में वृद्धि व चर्म, नैत्र विकार नाशक भी है

सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

सूर्य ही एक ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष दिखतें हैं। सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बह सूर्य ही एक ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष दिखतें हैं। सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है। एवं सर्व कामना सिद्धि भी प्राप्त होती है। यह व्रत चर्म और नैत्र आदि विकार नाशक भी है। इस व्रत को निम्न तरीके से पूर्ण श्रद्धा के साथ करे। दिनभर व्रत रखकर सायंकाल अग्निहोत्र आदि कर बिना नमक का भोजन करना चाहिए। इस प्रकार महीने में प्रत्येक रविवार को सूर्य की उपासना करने से दैविक, दैहिक और भौतिक तीनों कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। रविवार का व्रत किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से प्रारंभ करे और एक वर्ष अथवा 12 या 30 रविवार तक करे। रविवार के दिन प्रात: स्नान आदि करके लाल वस्त्र धारण करे एवं मस्तक पर लाल चन्दन का तिलक करे तथा ताम्बे के कलश में जल लेकर उसमे रोली, अक्षत, लाल पुष्प डालकर श्रद्धापूर्वक सूर्यनारायण को अर्ध्य प्रदान करे।

एवं ''ऊँ हा हीं हौं स: सूर्याय नम:'' इस बिज मंत्र का यथाशक्ति जाप करे। इस दिन भोजन सूर्यास्त से पहले करे। भोजन में गेहू की रोटी अथवा गेहू का दलिया या इस का हलवा बनाये।भोजन से पूर्व इस हलवा का कुछ भाग देवस्थान या बालक-बालिका को देकर भोजन करे। भोजन में प्रथम हलवा ग्रहण करे फिर अन्य पदार्थ ग्रहण करे। भोजन में नमक का प्रयोग ना करे। अंतिम रविवार को हवन क्रिया के पश्चात योग्य दम्पति को भोजन कराकर लाल वस्त्र एवं यथेच्छा दक्षिणा प्रदान करे।

इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरुरी है

मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। महर्षि अरविंद कहते हैं, मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। इससे शरीर में अनेक प्रकार के रोग भी जन्म ले सकते हैं। इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरूरी है। किसी बात पर यदि क्रोध आता है, तो हम अपनी प्रतिक्रिया देने लगते हैं। इससे बात बिगड जाने की आशंका बनी रहती है। इसलिए मौन रहना ही क्रोध को वश में करने का सबसे सटीक उपाय है।

सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के अनुसार, जीवन में एक बार किसी कर्म को करने का फैसला ले लिया, तो फिर पीछे मुड कर न देखें। बार-बार पीछे मुडकर देखने वाले इतिहास नहीं बना पाते हैं।

धृष्टकेतुश्चेकितान: काशिराजश्च वीर्यवान
पुरुजित्कुंतिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगव: ।।

धृष्टकेतु- दृढकर्तव्य, चेकिस्तान:

- जहां भी जाए , वहां से चित्त को खींचकर इष्ट में स्थिर करना,काशिराज: - कायारूपी काशी में ही वह साम्राज्य है, पुरुजित - स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीरों पर विजय दिलाने वाला पुरुजित, कुंतिभोज: - कर्तव्य से भव पर विजय, नरों में श्रेष्ठ, शैब्य अर्थात सत्य व्यवहार - युधामन्युश्च

विक्रांत उत्तमौजाश्च वीर्यवान
सौभद्रो दौपदेयाश्च सर्व एव महारथा: ।।

और पराक्रमी युधामन्यु: - युद्ध के अनुरूप मन की धारणा, उत्तमौजा: - शुभ की मस्ती, सुभद्रापुत्र अभिमन्यु

- जब शुभ आधार आ जाता है तो मन भय से रहित हो जाता है - ऐसा शुभ आधार से उत्पन्न अभय मन, ध्यानरूपी द्रौपदी के पांचों पुत्र - वात्सल्य, लावण्य, सहदयता, सौम्यता, स्थिरता सब के सब महारथी हैं। साधन-पथ पर संपूर्णयोग्यता के साथ चलने की क्षमताएं हैं।

हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं। वह ब्रहमचारी और प्रभु श्रीराम के अमिट भक्त हैं। लेकिन पवनपुत्र के बारे में ऐसी कई बातें हैं जो वर्तमान में किसी रहस्य से कम नहीं। इन बातों की उल्लेख हिदू धार्मिक ग्रंथो और रामायण के तमाम संस्करणों में उल्लेख मिलता है। जैसे कि...

हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं

हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढता का प्रतीक हैं।

१.हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढता का प्रतीक हैं।

२.हनुमानजी की मां पूर्वजन्म में अप्सरा थीं। जो एक शाप के कारण पृथ्वी पर जन्मीं और भगवान शिव के अवतार हनुमानजी की मां बनने का सौभाग्य मिला।

३.हनुमानजी बचपन से ही भगवान श्रीराम को अपना आराध्य देव मानते थे। और जब वह श्रीराम से वह मिले तो प्रसन्नता के आंसुओं को रोक नहीं पाए।

४.जब श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए तब हनुमानजी अपने एक हाथ पर ही पूरा एक पर्वत ले आए थे। वह इसीलिए क्योंकि उस पर्वत पर संजीवनी बूटी थी। जिससे से लक्ष्मण जी को मूर्छित अवस्था से दूर किया जा सके।

५.गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखित हनुमान चालीसा का पाठ यदि मंगलवार और शनिवार को किया जाए तो बजरंगबली की कृपा उस भक्त पर हमेशा बनी रहती है। जब श्रीराम की मृत्यु हुई तब हनुमानजी ने यम (मृत्यु के देवता) पर जाने से रोका था। लेकिन बाद में स्थितियां बदलीं और श्रीराम विष्णुलोक गए।

६.हनुमानजी ने श्रीराम को अंतिम समय में यह वचन दिया था। कि वह पृथ्वी पर अदृश्य रूप में रहकर राम नाम का स्मरण करते हुए उन्हें महाप्रलय तक पूजते रहेंगे। इसीलिए माना जाता है हनुमानजी

७.आज भी हमारे बीच में हैं। और उन्हें सच्चे मन से याद किया जाए तो वह भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं।

होम ट्रीटमेंट

घरेलू उपचार से दूर करें सेल्युलाईट ...

सेल्युलाईट की समस्या हर किसी को हो सकती है। यह समस्या महिलाओं में यौवन शुरू होने के साथ बढ़ जाती है। इसमें ज्यादातर महिलाओं के कूल्हे से नीचे के अंगो, पैर, गले और पेट पर होती है। जिसमें झल्लाहट सी महसूस होती है। अगर हम आपको इस समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए कुछ घरेलू तरीके बताएंगे।

क्या है सेल्युलाईट?

सेल्युलाईट त्वचा की अंदर वसा की एक परत बना देता है, जो देखने में हल्का सूजा हुआ नारंगी की तरह लगता है। इसका समस्या के होने कारण फाइबर,तरल पदार्थ,रक्त प्रवाह के बिगड़ना हो सकता है। यह समस्या केवल महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरूषों को भी होती है।

सेल्युलाईट का कारण

सेल्युलाईट का सबसे बड़ा कारण आहार, जीवन शैली हार्मोन वृद्धि हो सकते है। तनाव, अधिक वजन, कई बायोटाइप रोग भी सेल्युलाईट की समस्या को जन्म देते है। अगर आप भी इस परेशानी से जल्द छुटकारा पाना चाहते है तो इन तरीको को अपनाएं।

कॉफी

सेल्युलाईट से निजात दिलाने के लिए कॉफी सबसे अच्छा तरीका है। कॉफी शरीर को साफ करने का काम करती है। आप कॉफी और नारियल तेल से शरीर की मालिश करें। इससे त्वचा कसी रहती है और सेल्युलाईट की समस्या कम होती है।

ड्राई ब्रशिंग

शॉवर लेने से पहले मसाज और एक्सफोलिएट के लिए आप ड्राई ब्रशिंग कर सकती है और इसके लिए आपको किसी क्रीम लोशन या स्क्रब की जरूरत नही पड़ेगी बस एक शुष्क ब्रश आपको सेल्युलाईट छुटकारा दिला सकता है।

नारियल तेल, कॉफी और समुद्री नमक

6 चम्मच नारियल तेल में 3 बड़े चम्मच समुद्री नमक और 1 कप कॉफी का मिक्चर तैयार लें। इस पैक को अधिक समय तक सुरक्षित करने के लिए इस पैक को फ्रिज में रख सकती है। इसके पैक को नहाने से पहले प्रभावित जगह पर लगाएं और स्क्रब करें।

जैतून का तेल और ग्लिसरीन

इसका पैक बनाने के लिए 2-3 बड़े चम्मच जैतून तेल,1 चम्मच चीनी, विटामिन ई तेल के 2 चम्मच, आधा कप कॉफी और 1 चम्मच ग्लिसरीन का लेकर पेस्ट बना लें। अब इस पैक को सेल्युलाईट क्षेत्रों पर लगाने के लिए पहले गर्म पानी से स्नान करें उसके बाद कुछ-कुछ मिनटों के लिए गोलाकार गति में मालिश करके धो लें। स्क्रब हुई जगह को प्लास्टिक की चादर से कवर कर लें और लगभग 10 मिनट के बाद ही उसको हटाए। साथ ही अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से संपर्क करना न भूलें।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन क्यों है हमारे लिए खतरनाक

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन अर्थात विद्युत चुंबकीय विकिरण से मानव शरीर को होने वालो नुकसान को समझने से पहले हमें इसकी परिभाषा को जानना होगा। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन शून्य (स्पेस) एवं अन्य माध्यमों से स्वयं-प्रसारित तरंग होती हैं। इसे प्रकाश भी कहा जाता है किन्तु वास्तव में प्रकाश, विद्युत चुंबकीय विकिरण का एक छोटा सा भाग है। दृष्य प्रकाश, एक्स-किरणें, गामा-किरणें, रेडियो तरंगे आदि सभी विद्युतचुंबकीय तरंगे हैं।

मोबाइल नेटवर्क की वजह से इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन काफी होता है और ऐसा माना जाता है कि इसकी वजह से कई नुकसान भी होते हैं। हालांकि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन से होने वाले नुकसान को लेकर विशेषज्ञों के मत भिन्न हैं। कुछ मानते हैं कि इससे नुकसान होते हैं, जबकि कुछ इसके विपरीत किसी नुकसान की बात को नकारते हैं। आज हम इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन के कारण होने वाले नुकसानों के बारे में बात कर रहे हैं।

क्या कहते हैं शोध

कुछ शोध बताते हैं कि मोबाइल रेडिएशन के लंबे समय तक लगातार संपर्क में बने रहने से कैंसर, ब्रेन ट्यूमर और मिस-कैरेज की आशंका भी पैदा हो सकती है। दरअसल, हमारे शरीर में 70 प्रतिशत पानी होता है और दिमाग में भी 90 प्रतिशत तक पानी ही होता है। और फिर यह पानी धीरे-धीरे बॉडी रेडिएशन को सोखने लगता है और आगे चलकर सेहत के लिए काफी हानिकारक साबित हो सकता है। कुछ समय पूर्व पेश हुई डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल से कैंसर तक होने की आशंका होती है। इंटरफोन स्टडी में कहा गया कि हर दिन आधे घंटे या उससे ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने पर 8-10 साल में ब्रेन ट्यूमर की आशंका 200-400 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

मानव जीवन पर प्रभाव

सरकार की मौजूदा गाइडलाइन ऐसी है जैसे कि किसी इंसान को रोज 19 मिनट तक माइक्रोवेव में भूनें और कहें कि यह सुरक्षित है। विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि रेडिएशन की वजह से सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, नींद न आना, मेमोरी प्रॉब्लम घुटनों का दर्द, हार्मोनल इम्बैलेंस, दिल से संबंधित बीमारियां व आंत में कैसर तक होने की आशंका रहती है।

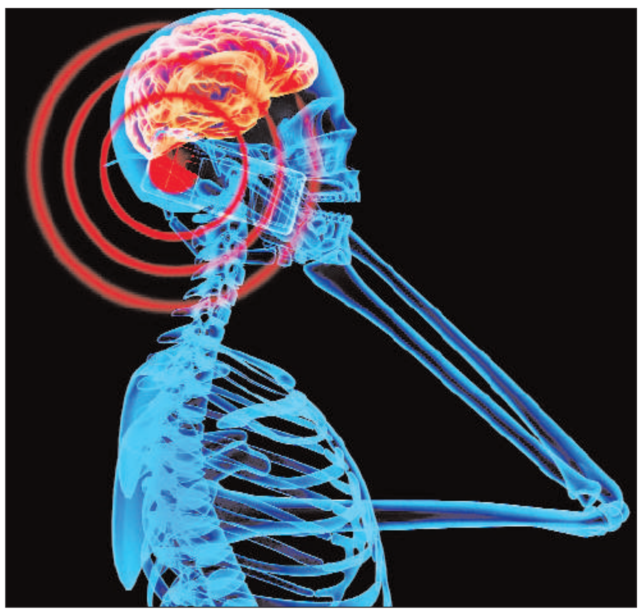

दूरी बनाएं रखें

कुछ कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट बताते हैं कि मोबाइल रेडिएशन सभी के लिए नुकसानदेह है लेकिन बच्चे, महिलाएं, बुजुर्गों और मरीजों को इससे ज्यादा नुकसान हो सकता है। अमेरिका के फूड एंड ड्रग्स ऐडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार बच्चों और किशोरों को मोबाइल पर ज्यादा वक्त नहीं बिताना चाहिए और स्पीकर फोन या हैंडसेट का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि सिर और मोबाइल के बीच दूरी बनी रहे।

कुछ अन्य शोधों के परिणाम

- 2010 में डब्ल्यूएचओ द्वारा पेश एक रिसर्च से पता चला कि मोबाइल रेडिएशन से कैंसर होने का जोखिम रहता है।
- हंगरी के शोधकर्ताओं ने अपने एक शोध के दौरान पाया कि जो युवक बहुत ज्यादा सेल फोन का इस्तेमाल करते थे, उनके स्पर्म की संख्या कम हो गई।
- केरल में हुए एक शोध के मुताबिक सेल फोन टॉवरों से होने वाले रेडिएशन से मधुमक्खियों की कमर्शल पॉप्युलेशन 60 प्रतिशत तक कम हो गई है।
- वहीं सेल फोन टावरों के पास जिन गौरेयों (एक प्रकार की घरेलू चिड़िया) ने अंडे दिए, 30 दिन के बाद भी उनमें से बच्चे नहीं निकले, जबकि आमतौर पर इस काम में 10-14 दिन ही लगते हैं।

हेल्थ विद टेस्ट

स्वाद के साथ स्वास्थ्य भी बढ़ाए वनिला

वनिला के गुण: वनिला आइसक्रीम और केक का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। स्वादिष्ट वनिला स्वास्थ्य के लिहाज से भी बहुत फायदेमंद होता है। जी हां, वनिला के पौधों की लताएं दूसरे पेड़ों पर लिपटती हुई बढ़ती हैं। वनिला बींस थोड़ी अलग होती है, जो ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं। इसका फ्लेवर, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लामेटरी गुण और कैलोरी रहित होना आदि स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।

एंटी-इंफ्लामेटरी गुण: अदरक की तरह वेनिला में भी एंटी-इंफ्लामेंटरी गुण होते है। जो शरीर को मजबूत बनाते है और उसे रोगाणुओं से लड़ने की प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ातें है। वेनिला आइसक्रीम या केक को खाते मन को अच्छी फींलिग्स आती है। असल में वेनिला का सेवन तनाव को दूर करता है। ये मन को खुश होने का अहसास दिलाता है। वेनिला आपके दिमाग को तेज बनाता है, इसके सेवन से व्यक्ति का मेंटल परफार्मेंस अच्छा रहता है।

वजन घटाएं: वेनिला का एक स्वास्थ्य लाभ यह भी होता है कि इसके सेवन से अतिरिक्त वजन घट जाता है। कई रिसर्च और अध्ययनों में यह बात साफ हो चुकी है कि वेनिला के सेवन से शरीर में एक्ट्रा कैलॉरी नहीं आती है लेकिन एनर्जी मिलती है। इसलिए, जिम जाने वाले लोग वेनिला को आराम से खा सकते है। इसे अपनी डाईट में भी शामिल किया जा सकता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होता है और इसके सेवन से बढ़ती उम्र के प्रभाव भी कम दिखते है।

रोगों में लाभदायक: वेनिला के तेज फ्लेवर से शरीर के नर्वस स्टिम दुरूस्त रहते है। इससे हिस्टीरिया का भी इलाज आसानी से किया जा सकता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द में भी आराम मिलता है और पाचन की प्रक्रिया में भी आराम मिलती है।

गर्भावस्था में फायदेमंद

गर्भावस्था के दिनों में सुबह के समय मतली और उल्टी आना स्वाभाविक होता है, ऐसे में वेनिला फ्लेवर आपको आराम दिला सकता है। वनिला की महक, गर्भावस्था के दिनों में होने वाली मतली में आराम मिलाती है। आप चाहें तो वेनिला फ्लेवर के केक और चॉकलेट भी खा सकती हैं।

हड्डी रोग में फायदेमंद है ऑस्टियोपैथी

ऑस्टियोपैथी एक प्रकार की वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति है जिससे किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या का उपचार हो सकता है। यह पद्धति भारत में बहुत बाद में आई है। लेकिन इसका प्रयोग अमेरिका और यूरोप में बहुत पहले से होता आया है, इस तकनीक के जरिये ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी हड्डियों का उपचार होता है।

रीढ़ की हड्डी के नीचे के हिस्से में होने वाली बीमारी को ठीक करने में फिजियोथेरेपिस्ट इस तकनीक का प्रयोग करते हैं। यह रीढ़ की हड्डी के चोटों में उपचार में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपचार है। इस लेख में विस्तार से जानिये ऑस्टियोपैथी के बारे में।

क्या है ऑस्टियोपैथी

यह एक प्रकार की मैनुअल तकनीक है, जिससे शरीर का पूरा सिस्टम प्रभावित होता है। यह होलिस्टिक होती है, जिसमें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक हर पहलू को शामिल किया जाता है। ऑस्टियोपैथी मरीज के मांसपेशियों, जोड़ों, कनेक्टिव टिश्यू और लिगामेंट्स आदि के जरिए शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को सामान्य करता है। इससे शरीर के स्केलेटल, नर्वस रेस्पिरेटरी और इम्यून सिस्टम पर असर पड़ता है। इससे कई तरह की बीमारियों का उपचार हो जाता है।

कैसे करते हैं उपचार

ऑस्टियोपैथी के विशेषज्ञ को ऑस्टियोपैथ बोलते हैं। ऑस्टियोपैथ अपने हाथों का उपयोग करके मरीज की समस्या का इलाज अलग-अलग तकनीक के प्रयोग से करते हैं। इन तकनीकों में सॉफ्ट टिश्यू तकनीक, रिदमिक पैसिव ज्वाइंट मोबिलाइजेशन जैसी तकनीक शामिल हैं। इसके जरिये ही मरीज की समस्याओं का उपचार होता है। ऑस्टियोपैथी से रीढ़ की हड्डी से संबंधित विभिन्न समस्याओं का निवारण और पुनर्वास रणनीतियों में सुधार लाया जा सकता है। यह सर्जनों के लिए बहुत मददगार है, इस तकनीक से मरीजों को अपने पैरों पर खड़ा करने दर्द और विकलांगता से छुटकारा दिलाने में मदद मिलती है।

इन बीमारियों में है प्रभावी

ऑस्टियोपैथी के जरिये गठिया के दौरान होने वाले असहनीय दर्द, डिस्क की समस्याओं, कंधों में दर्द और जकड़न, सिर में होने वाला दर्द, कूल्हे, गर्दन और जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, खेल की गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट, टेनिस एल्बो, तनाव, सांस संबंधी समस्याएं, गर्भावस्था के दौरान होने वाली समस्याओं, पाचन क्रिया से जुड़ी समस्याओं के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इस तकनीक से इन समस्याओं से निजात भी मिल जाती है।

जी मिचलाने की परेशानी को दूर करेंगे ये उपाय

कई बार लजीजदार खाने के चक्कर में लोग जरूरत से ज्यादा खा लेता हैं। जो बाद में पचाने में परेशानी होती है। जिससे जी मचलाने और घबराहट की परेशानी होने लगती है। कई बार गलत खान-पान और ज्यादा देर भूखे रहने से भी जी मिचलाने लगता है। दवाइयां खाने से बेहतर है कि कुछ घरेलू उपाय अपना कर भी इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. नींबू : नींबू में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड जी मिचलाने से राहत दिलाता है। एक नींबू काटकर इसकी खूशबू लें। यह जी मिचलाने की भावना को कंरता है।

2. पिपरमिंट : पेट में गड़बड़ी होने पर पुदीने खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा सूती कपड़े पर पिपरमिंट तेल लगाकर मसूढ़ों पर लगाने से जी मिचलाने की परेशानी दूर हो जाती है।
3. अदरक : अदरक सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियों को कम करने का काम करता है। जी मिचलाने पर अदरक वाली चाय पीने से भी फायदा मिलता है।
4. बेकिंग सोड़ा : रसोई में इस्तेमाल होने वाला बेकिंग सोड़ा जी मिचलाने का समस्या से राहत दिलाने में मददगार है। जी मिचलाने के लिए आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोड़ा पानी में घोलकर पी लें। यह पेट का पी एच एसिड में बदलाव करता है। जिससे घबराहट और जी मिचलाने की परेशानी दूर हो जाती है।
5. मेडिटेशन : यह प्रक्रिया शरीर से जुड़ी बहुत सी समस्याओं पर नियत्रंण रखने का काम करती है। तनाव,घबराहट या फिर किसी तरह की कोई परेशानी महसूस करें तो मेडिटेशन का सहारा लें। इससे आप खुद को तंदुरूस्त महसूस करेंगी।

अस्थमा में प्राकृतिक चिकित्सा...

सांस फूलना या सांस ठीक से न लेने का अहसास होना एलर्जी, संक्रमण, सूजन, चोट या मेटाबोलिक स्थितियों की वजह से हो सकता है। सांस तब फूलती है जब मस्तिष्क से मिलने वाला संकेत फेफड़ों को सांस की रफ्तार बढ़ाने का निर्देश देता है। फेफड़ों से संबंधित पूरी प्रणाली को प्रभावित करने वाली स्थितियों की वजह से भी सांसों की समस्या आती है। फेफड़ों और ब्रोंकाइल ट्यूब्स में सूजन होना सांस फूलने के आम कारण है। इसी तरह सिगरेट पीने या अन्य टाक्सिंस की वजह से श्वसन क्षेत्र यानी रेस्पिरेट्री ट्रैक में लगी चोट के कारण भी सांस लेने में दिक्कत आती है। दिल की बीमारियों और खून में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से भी सांस फूलती है। इस वजह से आमतौर पर दमा या अस्थमा की बीमारी हो जाती है। जब दमा रोग से पीड़ित रोगी को दौरा पड़ता है तो उसे सूखी खांसी होती है और ऐंठनदार खांसी होती है। इस रोग से पीड़ित रोगी चाहे कितना भी बलगम निकालने के लिए कोशिश करे लेकिन फिर भी बलगम बाहर नहीं निकलता है। दमा रोग प्राकृतिक चिकित्सा से पूरी तरह से ठीक हो सकता है।

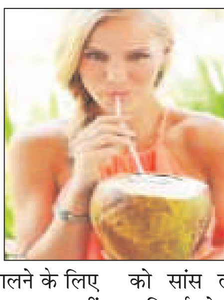

दमा होने का कारण

औषधियों का अधिक प्रयोग करने के कारण कफ सूख जाने से दमा रोग हो जाता है। खान-पान के गलत तरीके से,मानसिक तनाव, क्रोध,अधिक भय के कारण भी दमा रोग हो सकता है। खून में किसी प्रकार से दोष उत्पन्न हो जाने, नशीले पदार्थों का अधिक सेवन करने, खांसी, जुकाम और नजला रोग अधिक समय तक रहने से दमा रोग हो सकता है। भूख से अधिक भोजन, मिर्च-मसाले, तले-भुने खाद्य पदार्थों तथा गरिष्ठ भोजन करने से दमा रोग हो सकता है। फेफड़ों में कमजोरी, हृदय में कमजोरी, गुर्दों में कमजोरी, आंतों में कमजोरी तथा स्नायुमण्डल में कमजोरी हो जाने के कारण दमा रोग हो जाता है। मनुष्य की श्वास नलिका में धूल के कण, कुछ पौधों के पुष्परज और ठंड लग जाने के कारण दमा रोग हो सकता है। मल-मूत्र के वेग को बार-बार रोकने से दमा रोग हो सकता है। धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों के साथ रहने या धूम्रपान करने से दमा रोग हो सकता है।

अस्थमा के लक्षण

अस्थमा या दमा रोग से पीड़ित रोगी को रोग के शुरुआती समय में खांसी, सरसराहट और सांस उखड़ने के दौरे पड़ने लगते हैं। दमा रोग से पीड़ित रोगी को वैसे तो दौरे कभी भी पड़ सकते हैं लेकिन रात के समय में लगभग 2 बजे के बाद दौरे अधिक पड़ते हैं। रोगी को कफ सख्त, बदबूदार तथा डोरीदार निकलता है। रोगी को सांस लेने में बहुत अधिक कठिनाई होती है। सांस लेते समय अधिक जोर लगाने पर रोगी का चेहरा लाल हो जाता है।

इनका सेवन करें

दमा रोग से पीड़ित को नारियल पानी, सफेद पेठे का रस, पत्ता गोभी का रस, चुकन्दर का रस, अंगूर का रस, दूब घास का रस पीना बहुत अधिक लाभदायक रहता है। दमा रोग से पीड़ित रोगी यदि मेथी को भिगोकर खायें तथा इसके पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर पिएं तो बहुत अधिक लाभ मिलता है। तुलसी तथा अदरक का रस शहद मिलाकर पीने से दमा रोग में बहुत लाभ मिलता है।

भाप स्नान

दमा रोग से पीड़ित रोगी को रात के समय में जल्दी ही भोजन करके सो जाना चाहिए तथा रात को सोने से पहले गर्म पानी को पीकर सोना चाहिए तथा अजवायन के पानी की भाप लेनी चाहिए। इससे रोगी को बहुत अधिक लाभ मिलता है। दमा रोग से पीड़ित को अपनी छाती पर तथा अपनी रीढ़ की हड्डी पर सरसों के तेल में कपूर डालकर मालिश करनी चाहिए तथा इसके बाद भाप स्नान करना चाहिए। ऐसा प्रतिदिन करने से रोगी का रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

दूध से परहेज

दमा रोग से पीड़ित रोगी को कभी भी दूध या दूध से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। दमा रोग से पीड़ित को भोजन में नमक तथा चीनी का सेवन बंद कर देना चाहिए। एक चम्मच त्रिफला को नींबू पानी में मिलाकर सेवन करने से दमा रोग बहुत जल्दी ही ठीक हो जाता है। 1 कप गर्म पानी में शहद डालकर रोज 3 बार पीने से दमा रोग से पीड़ित रोगी को बहुत अधिक लाभ मिलता है।

पेट साफ रखें

दमा रोग से पीड़ित को अपने पेट को साफ रखना चाहिए तथा कभी कब्ज नहीं होने देना चाहिए। रोगी को अपने पेड़ू पर मिट्टी की पट्टी और उसके बाद गुनगुने जल का एनिमा लेना चाहिए। फिर लगभग 10 मिनट के बाद सुनहरी बोतल का सूर्यतप्त जल लगभग 25 मिलीलीटर की मात्रा में प्रतिदिन पीना चाहिए। इस प्रकार की क्रिया को प्रतिदिन नियमपूर्वक करने से दमा रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

कारणों को दूर करें

दमा रोग से पीड़ित रोगी को अपने रोग के होने के कारणों को सबसे पहले दूर करना चाहिए और इसके बाद इस रोग को बढ़ाने वाली चीजों से परहेज करना चहिए। फिर इस रोग का प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार कराना चाहिए। रोगी को कभी घबराना नहीं चाहिए क्योंकि ऐसा करने से दौरे की तीव्रता बढ़ सकती है।रोगी का उपचार करने के लिए सबसे पहले रोगी को कम से कम 10 मिनट तक कुर्सी पर बैठना चाहिए क्योंकि आराम करने से फेफड़े ठंडे हो जाते हैं। इसके बाद रोगी को होंठों से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में हवा खींचनी चाहिए और धीरे-धीरे सांस लेनी चाहिए। इस प्रकार से प्रतिदिन उपचार करने से यह रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

सबसे पहले क्या करें?

दमा रोग से पीड़ित का प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार करने के लिए सबसे पहले रोगी को प्रतिदिन नींबू तथा शहद को पानी में मिलाकर पीना चाहिए और फिर उपवास रखना चाहिए। इसके बाद 1 सप्ताह तक फलों का रस या हरी सब्जियों का रस तथा सूप पीकर उपवास रखना चाहिए। फिर इसके बाद 2 सप्ताह तक बिना पका हुआ भोजन करना चाहिए। इसके बाद साधारण भोजन करना चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

श्रीकृष्ण मंदिर कारसेवा

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद 9 अगस्त को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के पक्ष में कारसेवा करेगी। अखाड़ा परिषद 50 लाख से अधिक साधु-संतों की प्रतिनिधि धार्मिक संस्था है। परिषद में मुख्यतः 13 अखाड़े हैं, जिनमें 7 शैव, 3 वैष्णव और 3 ही उदासीन अखाड़े हैं। वे सभी सनातन के पैरोकार और आस्थावान हैं, लिहाजा अब उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण मंदिर के लिए कारसेवा की घोषणा की है। जिस तरह अयोध्या में विवादित ढांचे (कथित बाबरी मस्जिद) का गुंबद ध्वस्त किया गया था, उस तरह श्रीकृष्ण मंदिर कारसेवा का मकसद नहीं है। साधु-संत और श्रद्धालु राजधानी दिल्ली से पैदल कूच कर मथुरा तक पहुंचेंगे और श्रीकृष्ण मंदिर परिसर के बाहर ही भजन-कीर्तन, चालीसा पाठ, पूजा-पाठ करेंगे। प्रभु श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाया जाएगा। हालांकि अभी किसी भी तरह की तोड़-फोड़ की कारसेवा का आह्वान नहीं किया गया है, लेकिन किसी पक्ष की धार्मिक भावनाएं उत्तेजित हो गईं या उन्माद का माहौल बन गया, तो उसे नियंत्रित करना कठिन होगा। भावनाएं तो स्वतःस्फूर्त भडक़ती हैं, लिहाजा पुलिस कहां तक की अनुमति देगी अथवा कारसेवा स्थगित करने का आग्रह करेगी, अभी निश्चित नहीं है। वैसे उप्र में एक धार्मिक योगी की सरकार है और वह भी श्रीकृष्ण आंदोलन के पक्षधर हैं, लिहाजा लगता है कि कारसेवा में व्यवधान पैदा नहीं किया जाएगा। बहरहाल कारसेवा तब आयोजित की जा रही है, जब सर्वोच्च अदालत विशेष लोक अदालत के जरिए काशी विश्वनाथ बनाम ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर बनाम ईदगाह मस्जिद और संभल के हरि मंदिर बनाम जामा मस्जिद सरीखे बेहद संवेदनशील विवादों को, हिंदू-मुस्लिम पक्ष की आपसी सहमति से, सुलझाने और निपटाने का प्रयास कर रही है। लोक अदालत में 21, 22, 23 अगस्त को दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी और फिर सहमति के बिंदु तय किए जाएंगे। बीती 4 जुलाई को ऐसा ही न्यायिक प्रयास नाकाम हो चुका है, जब वाराणसी के विवाद के संदर्भ में मुस्लिम पक्ष आया ही नहीं। वैसे दोनों पक्ष सर्वोच्च अदालत के ही अंतिम निर्णय के पक्ष में हैं, ताकि न्यायिक निष्कर्ष पर कानूनी सवाल न उठाए जा सकें। राम मंदिर का फैसला भी सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने सुनाया था। आज भी ऐसे सांप्रदायिक, धार्मिक विवादों की 18 याचिकाएं अदालतों के विचाराधीन हैं। सर्वोच्च अदालत ने 7 याचिकाएं ही लोक अदालत को भेजी थीं। बहरहाल मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर की कारसेवा का फैसला तब भी लिया गया है, जब कुछ महीनों बाद (संभवतः अप्रैल, 2027) उप्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा संघ, विहिप और भाजपा के एजेंडे की प्राथमिकताएं रही हैं, लेकिन अखाड़ा परिषद की घोषित कारसेवा पर फिलहाल तीनों ही खामोश हैं। कारसेवा का न समर्थन और न ही विरोध..! मथुरा, वृंदावन प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और बाल-लीलाओं का क्षेत्र है। इसका उल्लेख पुराणों, उपनिषदों और प्राचीन धर्म-ग्रंथों में देखा और पढ़ा जा सकता है। श्रीकृष्ण मंदिर को 5000 साल प्राचीन बताया जाता है। हम इसकी पुष्टि नहीं कर सकते, क्योंकि हमारे सामने ऐसा कोई दस्तावेजी साक्ष्य नहीं है। अलबत्ता अधिसंख्य इतिहासकारों ने वृंदावन, मथुरा को श्रीकृष्ण की जन्मस्थली माना है। प्रभु का अवतार रूप में जन्म कंस के कारावास में हुआ, जहां श्रीकृष्ण के जैविक पिता वासुदेव और मां देवकी को कैद किया गया था। भगवान का पालन-पोषण वृंदावन में नंदबाबा और यशोदा मैया ने किया। श्रीकृष्ण मंदिर का इतिहास भी निर्माण, विध्वंस, पुनर्निर्माण, कब्जे के बाद मस्जिद-निर्माण आदि का रहा है। हम उसके विस्तार में नहीं जाएंगे, लेकिन भारत में 3 लाख से ज्यादा मस्जिदों की स्थापना और सक्रियता आज भी सवालिया है, लिहाजा हम जैसे तटस्थ लोग भी यह चाहते हैं कि सर्वोच्च अदालत 1991 के उपासना स्थल कानून पर अपना अंतिम फैसला तो यथाशीघ्र सुनाए, ताकि स्पष्ट हो सके कि कानून के दायरे में कौन से मंदिर, मठ, स्थापत्य और मस्जिदें हैं। ऐसी बहसें और दावे बंजर ही साबित होते हैं, क्योंकि उनकी बुनियाद में धार्मिक पूर्वाग्रह होते हैं।

अखाड़ा परिषद 50 लाख से अधिक साधु-संतों की प्रतिनिधि धार्मिक संस्था है। परिषद में मुख्यत : 13 अखाड़े हैं, जिनमें 7 शैव, 3 वैष्णव और 3 ही उदासीन अखाड़े हैं। वे सभी सनातन के पैरोकार और आस्थावान हैं, लिहाजा अब उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण मंदिर के लिए कारसेवा की घोषणा की है। जिस तरह अयोध्या में विवादित ढांचे (कथित बाबरी मस्जिद) का गुंबद ध्वस्त किया गया था, उस तरह श्रीकृष्ण मंदिर कारसेवा का मकसद नहीं है। साधु-संत और श्रद्धालु राजधानी दिल्ली से पैदल कूच कर मथुरा तक पहुंचेंगे और श्रीकृष्ण मंदिर परिसर के बाहर ही भजन-कीर्तन, चालीसा पाठ, पूजा-पाठ करेंगे। प्रभु श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाया जाएगा। हालांकि अभी किसी भी तरह की तोड़-फोड़ की कारसेवा का आह्वान नहीं किया गया है, लेकिन किसी पक्ष की धार्मिक भावनाएं उत्तेजित हो गईं या उन्माद का माहौल बन गया, तो उसे नियंत्रित करना कठिन होगा। भावनाएं तो स्वत :स्फूर्त भडक़ती हैं, लिहाजा पुलिस कहां तक की अनुमति देगी अथवा कारसेवा स्थगित करने का आग्रह करेगी, अभी निश्चित नहीं है।

कुछ अलग

मौन देता है मुखर समाधान

मौन का तात्पर्य महज चुप्पी नहीं होता, जैसा कि सामान्यतः लोग समझते हैं। मौन का संबंध हमारे भीतर से होता है, जबकि चुप्पी बाहर घटित होती है। मौन और चुप्पी में वही अंतर होता है, जो फूल और उसकी सुगंध में होता है। मौन की साधना करने का मतलब भीतर की यात्रा करना होता है। जाहिर है कि जिसने जीवन भर बोलने का अभ्यास किया हो, अर्थात् बाहर की यात्राएं की हों, उसके लिए मौन की साधना करना, यानी भीतर की यात्रा-अंतर्यात्रा-पर चलना अत्यंत कठिन होता है। लेकिन यदि अभ्यास से धीरे-धीरे मौन सधने लगे तो उसे अद्भुत अनुभव होने लगते हैं। हमारी संस्कृति में मौन की बड़ी महिमा है। ऐसी मान्यता है कि मौन में समाधान मुखर होता है। इसलिए मौन में जीवन के गूढ़तम प्रश्नों का समाधान खोजा जा सकता है। यदि कोई ऐसी समस्या हो, जिसका समाधान लंबे समय से नहीं हो पा रहा हो, तो मौन मार्ग दिखा सकता है। यही कारण है कि अध्यात्म जगत में मौन के बिना आगे की यात्रा संभव नहीं मानी जाती, क्योंकि मौन ही वह साधन है, जिसके माध्यम से अध्यात्म के शिखर तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होता है। चाहे महात्मा बुद्ध हों या वर्धमान महावीर, संत रामदास हों या संत कबीरदास, संत तुलसीदास हों या संत सूरदास, आचार्य चाणक्य हों या स्वामी रामकृष्ण परमहंस, बाबा फरीद हों या रहीम, स्वामी विवेकानंद हों अथवा पश्चिम के ईसा मसीह-सभी ने मौन को अत्यंत महत्व दिया है। कहें तो उनके जीवन में मौन ने बड़ी भूमिका निभाई है। यही कारण है कि हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भी इसकी बड़ी महिमा बताई है।

युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है। राजनीति इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है। दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है। इतिहास वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है। विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा।

देश दुनिया से

आपदा से कहीं अधिक तैयारी का संकट

हिमाचल प्रदेश की पहचान उसकी बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाओं, हरी-भरी घाटियों, घने वनों और कल-कल बहती नदियों से है। प्रकृति ने इस देवभूमि को जितना सौंदर्य दिया है, उतनी ही संवेदनशील भौगोलिक संरचना भी प्रदान की है। यही कारण है कि हिमाचल जितना सुंदर दिखाई देता है, उतना ही प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से असुरक्षित भी है। भूगर्भीय दृष्टि से युवा हिमालय, तीव्र ढाल वाली स्थलाकृति, सक्रिय भू-आकृतिक प्रक्रियाएं, जलवायु परिवर्तन तथा बढ़ती मानवीय गतिविधियों ने प्रदेश को देश के सबसे अधिक आपदा-उन्मुख राज्यों में शामिल कर दिया है, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। आज भूस्खलन, बादल फटना, अचानक बाढ़, सडक़ें धंसना और पहाड़ों का दरकना मानसून का सामान्य दृश्य बन चुका है। आये दिन बरसात के मौसम में ऐसी घटनाएं समाचार पत्रों की सुर्खियां रहती हैं। प्रश्न यह है कि क्या सूबे में बढ़ती ऐसी आपदाओं के पीछे कारण केवल प्रकृति है, तो उत्तर स्पष्ट रूप से 'नहीं' होगा। प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती अतिवृष्टि के लिए अनियोजित विकास, पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों के किनारे बढ़ता अतिक्रमण और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। प्रदेश के सीने को चीरकर विकास की गाथा किसी से छिपी नहीं रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रदेश में मानसून काल में हुई वर्षा तथा उससे हुए नुकसान के उपलब्ध आंकड़ों पर दृष्टि डालने से स्थिति अत्यंत गंभीर प्रतीत होती है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में मानसून के दौरान 734.4 मिलीमीटर वर्षा सामान्य मानी जाती है। वर्ष 2021 और 2022 में वर्षा सामान्य हुई, लेकिन तब भी बादल फटने तथा भूस्खलन से भारी जान-माल का नुकसान हुआ। वहीं वर्ष 2023 में लगभग 900 मिलीमीटर वर्षा ने अभूतपूर्व तबाही मचाई, जिसके हम सभी प्रत्यक्षदर्शी हैं। हालांकि वर्ष 2024 की मानसून में वर्षा सामान्य से कम रही थी, फिर भी नुकसान में कमी नहीं हुई। वर्ष 2025 की बरसात में 1022.5 मिलीमीटर वर्षा ने तो पिछले 29 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ डाला तथा प्रदेश को लगभग 4465 करोड़ की आर्थिक क्षति के साथ करीब 400

नागरिकों को खोने का दंश झेलना पड़ा। प्रदेश में होने वाली मानसून तथा उससे हुआ नुक्सान के लिए केवल वर्षा की मात्रा नहीं, बल्कि कम समय में अत्यधिक वर्षा और उसके प्रति हमारी तैयारी की कमी भी हो सकती है। यदि पिछले पांच वर्षों में मानसून से हुए नुक्सान पर दृष्टि डालें तो स्थिति भयावह दिखाई देती है। वर्ष 2021 से 2025 के बीच प्रदेश को लगभग बीस हजार करोड़ रुपए की आर्थिक क्षति हुई और लगभग दो हजार लोगों ने अपनी जान गंवाई। वर्ष 2021 में लगभग 1151 करोड़ रुपए, 2022 में 939 करोड़, 2023 में रिकॉर्ड 12000 करोड़, 2024 में 1613 करोड़ तथा 2025 में 4465 करोड़ रुपए से अधिक की आर्थिक क्षति दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त हजारों परिवार उजड़ गए, सैकड़ों पुल और सडक़ें बह गईं, खेत-खलिहान नष्ट हो गए। वर्ष 2023 की त्रासदी तो आज भी लोगों की स्मृतियों में ताजा है, जब पूरा प्रदेश मानो प्रकृति के प्रकोप के सामने असहाय दिखाई दिया था। विडंबना यह है कि जिस गति से आपदाओं का स्वरूप बदल रहा है, उसी अनुपात में हमारी तैयारी नहीं बदल रही। राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग चार सौ करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाता है, जबकि एक वर्ष की प्राकृतिक आपदा कई हजार करोड़ रुपए की क्षति पहुंचा देती है। राहत राशि आवश्यक है, लेकिन उससे कहीं अधिक आवश्यक है जोखिम को कम करने में निवेश करना। हर वर्ष नुकसान होने के बाद पुनर्निर्माण पर खर्च करना किसी भी दृष्टि से दूरदर्शी नीति नहीं कही जा सकती। वर्ष 2026 ने भी स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि चुनौती अभी समाप्त नहीं हुई है। मानसून पूरी तरह सक्रिय होने से पहले ही प्री-मानसून अवधि में अनेक लोगों की जान जा चुकी है और करोड़ों रुपए की संपत्ति नष्ट हो चुकी है। मानसून की पहली दस्तक के साथ ही बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं सामने आने लगी हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में आपदाएं और अधिक गंभीर रूप ले सकती हैं। अब समय आ गया है कि हमें राहत से अधिक तैयारी पर निवेश करना होगा। आधुनिक आपदा प्रबंधन चार स्तंभों शमन, तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनप्रप्ति पर आधारित है। दुर्भाग्य से हमारा अधिकांश ध्यान तीसरे और चौथे चरण, अर्थात राहत और पुनर्वास पर केंद्रित रहता है, जबकि सबसे अधिक निवेश पहले दो चरणों शमन और तैयारी में होना चाहिए। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की वैज्ञानिक मैपिंग, ढलानों का स्थिरीकरण, नदियों के तटीय क्षेत्रों का संरक्षण, भूकंपरोधी निर्माण, अत्याधुनिक मौसम पूर्वानुमान प्रणाली, प्रभावी अर्ली वार्निंग सिस्टम, स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित आपदा मित्र, नियमित मॉक ड्रिल और ग्राम स्तर तक आपदा प्रबंधन योजनाएं अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं। साथ ही हमें प्रदेश के विकास मॉडल पर भी गंभीर पुनर्विचार करना होगा। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि संतुलन स्थापित करे। पहाड़ों की क्षमता से अधिक निर्माण, पर्यावरणीय स्वीकृतियों में ढिलाई और अनियोजित शहरीकरण भविष्य की आपदाओं को और भी विनाशकारी बना सकते हैं, प्रदेश की राजधानी सहित सभी कस्बों में अनियोजित भवन निर्माण निकट भविष्य में गंभीर संकट पैदा कर सकते हैं। हिमाचल ने पिछले कुछ वर्षों में बहुत कुछ खोया है, लेकिन हर त्रासदी हमें एक सीख भी देती है।

आप का नज़रिया

सोशल मीडिया के हमाम में

पुलिस के एक अधिकारी का निलंबन चकित करता है या एक पुलिस बैंड 'हारमनी ऑफ द पाइंस' के प्रभारी विजय कुमार पर हुई कार्रवाई हैरान करती है। एक पुलिस अधिकारी के मशहूर होने के कारणों में कानून-व्यवस्था का पैमाना हो सकता है, लेकिन यहां जिस इंस्पेक्टर का जिक्र हो रहा है, वह म्यूजिक की शब्दावली में बैंड मास्टर है जिसके कंधों पर वर्दी का गौरव और सर्विस रूल्स की फाइल लटक रही है। शौर्य, सूरत और सीरत में यहां यह मामला इतना भी आसान नहीं कि सोशल मीडिया में तू तू-मैं मैं से हल निकल आए या निर्णायक वोटिंग हो जाए। सरकारी नौकरी के नियम व वर्दी के सिद्धांत इतने भी नाजुक नहीं कि पुलिस बैंड को मात्र गवैया मान लें। यहां पूरी की पूरी हिमाचल पुलिस ने इस बैंड का प्रतिनिधित्व किया और इसलिए 'हुनरबाजी' के शो में एक राज्य की वर्दी जीती थी। महफिल भले ही बैंड ने लूटी हो, लेकिन वहां मिला हर सलाम वर्दी के लिए और वर्दी के हित में था। इसलिए विजय कुमार को मिली शोहरत उसकी निजी उपलब्धि नहीं थी। जब तक शरीर पर वर्दी और वर्दी की पॉकेट में सरकारी पगार है, उसके जीवन की मर्यादाएं, शगल, शगुन और परंपराएं सरकारी दिशा-निर्देश से ही चलेंगी। ऐसे में आरोपों की खारिश तो भुगतनी ही पड़ेगी। सिविल सर्विस रूल्स उनके लिए इतने तीखे-इतने कांटेदार क्यों हुए, उसके ऊपर जांच ही कोई फैसला ले सकती है, फिर भी सोशल मीडिया के हमाम में कई वरिष्ठ अधिकारी भी अगर नापाक हुए हैं, तो कार्रवाइयों की ईमानदारी दोहरा व्यवहार नहीं कर सकती। हमने कुछ प्रशासनिक अधिकारियों को नैतिकता और सेवा शर्तों का उल्लंघन करते देखा है, तो ये चैपटर्स भी देखे जाने चाहिएं, ताकि सनद रहे। सार्वजनिक क्षेत्र के तहत सोशल मीडिया की फिजूलखर्ची का यह अदब है कि कई अध्यापक, साधारण कर्मचारी, मातहत अनुशासित परंपराएं भूल रहे हैं। कर्मचारियों-कर्मचारियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और अधिकारियों-अधिकारियों के बीच सोशल मीडिया का खेल बेजा है। सोशल मीडिया के पाप भयंकर शक्ल अख्तियार न करें, इसके लिए देश-प्रदेश ही नहीं, समाज को भी नैतिक उच्चारण करना पड़ेगा। हम न तो विजय कुमार पर की गई कार्रवाई को श्रेष्ठ मानते हैं और न ही उनके आचरण को बरी करते हैं, फिर भी सबक लेने की गुजारिश करेंगे। ऐसे मामलों में देश का कानून भी परिपक्व नहीं हुआ है। अभी अरुणाचल प्रदेश में यौन उत्पीडऩ के मामले में स्कूल के शिक्षक वर्ग की शामत आई है, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अब सोच यह है कि तेरह साल आयु तक के बच्चे सोशल मीडिया ज्वाइन नहीं कर सकते। ऐसे में वे अभिभावक भी दोषी हैं जो दुधमुंहे बच्चे के हाथों में मोबाइल थमा कर अपने फर्ज की इतिश्री कर रहे हैं। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, ऐसे सबक का यथार्थ तब सिद्ध होगा, अगर सरकारी क्षेत्र के तमाम हथकंडे सोशल मीडिया की सतह से दूर रखे जाएं। इसी परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता के गुण-दोष भी आते हैं, जहां चंद हजार के निवेश से कोई भी अगंभीर, अप्रशिक्षित, अनियंत्रित, माकूल शिक्षा से वंचित व सामाजिक-राष्ट्रीय-प्रादेशिक सरोकारों से दूर व्यक्ति, हाथों में मोबाइल लिए संवेदना का सबक दे रहा है।

शौर्य, सूरत और सीरत में यहां यह मामला इतना भी आसान नहीं कि सोशल मीडिया में तू तू-मैं मैं से हल निकल आए या निर्णायक वोटिंग हो जाए। सरकारी नौकरी के नियम व वर्दी के सिद्धांत इतने भी नाजुक नहीं कि पुलिस बैंड को मात्र गवैया मान लें। यहां पूरी की पूरी हिमाचल पुलिस ने इस बैंड का प्रतिनिधित्व किया और इसलिए 'हुनरबाजी' के शो में एक राज्य की वर्दी जीती थी। महफिल भले ही बैंड ने लूटी हो, लेकिन वहां मिला हर सलाम वर्दी के लिए और वर्दी के हित में था। इसलिए विजय कुमार को मिली शोहरत उसकी निजी उपलब्धि नहीं थी। जब तक शरीर पर वर्दी और वर्दी की पॉकेट में सरकारी पगार है, उसके जीवन की मर्यादाएं, शगल, शगुन और परंपराएं सरकारी दिशा-निर्देश से ही चलेंगी। ऐसे में आरोपों की खारिश तो भुगतनी ही पड़ेगी। सिविल सर्विस रूल्स उनके लिए इतने तीखे-इतने कांटेदार क्यों हुए, उसके ऊपर जांच ही कोई फैसला ले सकती है, फिर भी सोशल मीडिया के हमाम में कई वरिष्ठ अधिकारी भी अगर नापाक हुए हैं, तो कार्रवाइयों की ईमानदारी दोहरा व्यवहार नहीं कर सकती। हमने कुछ प्रशासनिक अधिकारियों को नैतिकता और सेवा शर्तों का उल्लंघन करते देखा है, तो ये चैपटर्स भी देखे जाने चाहिएं, ताकि सनद रहे। सार्वजनिक क्षेत्र के तहत सोशल मीडिया की फिजूलखर्ची का यह अदब है कि कई अध्यापक, साधारण कर्मचारी, मातहत अनुशासित परंपराएं भूल रहे हैं। कर्मचारियों-कर्मचारियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और अधिकारियों-अधिकारियों के बीच सोशल मीडिया का खेल बेजा है। सोशल मीडिया के पाप भयंकर शक्ल अख्तियार न करें, इसके लिए देश-प्रदेश ही नहीं, समाज को भी नैतिक उच्चारण करना पड़ेगा।

दृष्टि कोण

उच्च शिक्षा पर हावी होती महंगाई

हाल ही में संसदीय स्थायी समिति ने कहा है कि उच्च शिक्षा के लिए मौजूदा बजट आवंटन पर्याप्त नहीं है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाकर जीडीपी का 6 प्रतिशत किया जाना चाहिए। समिति के अनुसार 2021-22 में भारत का शिक्षा व्यय केवल 4.12 प्रतिशत था, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्य से कम है। रिपोर्ट में महंगाई, नामांकन वृद्धि और शिक्षा की गुणवत्ता को देखते हुए अधिक निवेश की जरूरत बताई गई है। समिति ने चिंता जताई कि 2021-22 में भारत का कुल शिक्षा व्यय जीडीपी का केवल 4.12 प्रतिशत था। यह आंकड़ा एनईपी के लक्ष्य से काफी कम है। समिति का मानना है कि यदि भारत को वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी है तो शिक्षा पर निवेश जरूर बढ़ाना होगा। समिति ने 2018 से 2023 के बीच पुरुष और महिला छात्रों के सकल नामांकन अनुपात (ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो) का भी अध्ययन किया। रिपोर्ट में कहा गया कि इस अवधि में नामांकन अनुपात में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं देखी गई। समिति का मानना है कि मानव संसाधनों के बेहतर विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा के लिए उच्च शिक्षा में अधिक छात्रों को जोडऩा जरूरी है। इसी कारण उसने 2035 तक एनईपी-2020 के लक्ष्यों के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की सिफारिश की है। आज उच्च शिक्षा में बढ़ती महंगाई एक बड़ी चुनौती है, जो सामान्य मुद्रास्फीति की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है। शिक्षा का खर्च 10 से 12 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रहा है जिससे उच्च शिक्षा की लागत हर 6-7 साल में दोगुनी हो जाती है। बढ़ते खर्च के कारण और इससे निपटने के तरीकों पर मंथन जरूरी है। उच्च शिक्षा इतनी महंगी क्यों हो रही है? मांग और आपूर्ति में असंतुलन : उच्च शिक्षा की भारी मांग (लगभग 20 फीसदी वार्षिक वृद्धि) और अच्छे गुणवत्ता वाले संस्थानों की सीमित आपूर्ति के कारण निजी संस्थान इसका फायदा उठाते हैं। आधुनिक तकनीकों (लैब, सॉफ्टवेयर), अनुसंधान और बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने में आने वाली भारी लागत, शिक्षकों का वेतन और अनुपालन : उत्कृष्ट प्राध्यापकों का वेतन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे नियामक मानकों को पूरा करने का खर्च सीधे तौर पर ट्यूशन फीस में जुड़ जाता है। महंगी शिक्षा के कारण अधिकांश छात्रों को भारी मात्रा में एजुकेशन लोन लेना पड़ता है, जिसकी अदायगी के लिए वे करियर की शुरुआत में ही कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। मध्यम और गरीब परिवारों पर दबाव : मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनी संपत्ति गिरवी रखनी पड़ती है या अपनी बचत खत्म करनी पड़ती है। उच्च फीस और जीवनयापन के भारी खर्चों (हॉस्टल, यात्रा, कोचिंग) के कारण कई मेधावी छात्र बीच में ही पढ़ाई छोडऩे को मजबूर हो जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से देश में उच्च शिक्षा लगातार महंगी होती जा रही है। गरीब, मेहनतकश वर्ग ही नहीं, मध्यवर्ग के लिए भी हायर एजुकेशन हासिल करना आसान नहीं रह गया है। हाल तक यह माना जाता था कि कम से कम सरकारी संस्थानों में तो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पढ़ाई कर ही लेगा, पर उन संस्थानों की भी बढ़ती फीस ने इस तबके की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस वर्ग के लिए तो प्राथमिक शिक्षा का खर्च उठाना भी कठिन होता जा रहा है। यह भारत के लिए एक बड़ी त्रासदी ही कही जाएगी, जहां दुनिया की सबसे युवा आबादी रहती है। आईआईएम (अहमदाबाद) की फीस वर्ष 2007 से 2022 के बीच 15 सालों में 4 लाख रुपए सालाना से बढक़र 27 लाख रुपए सालाना पहुंच गई है जो कि 575 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। देश के प्रमुख चार आईआईएम की सालाना औसत फीस 25 लाख रुपए से ज्यादा है।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

डलास

मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को मंगलवार को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच खेले गए इस बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा, जबकि फ्रांस की टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी।

अब स्पेन का सामना रविवार को फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरी ओर फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच भी होगा।

पहले और दूसरे हाफ में दागे गोल – स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, जब मिकेल ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। यह पेनाल्टी तब मिली जब फ्रांस के लुकास डिन ने लामिन यामाल को गेंद क्लियर करने के प्रयास में फाउल कर दिया।

दूसरे हाफ में दानी ओल्मो के बेहतरीन मूव पर पेड्रो पोरो ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग तय कर दी।

फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह रहा बेअसर – पूरे मुकाबले में फ्रांस की टीम स्पेनिश रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सकी। कप्तान किलियन एमबाप्पे पूरी तरह स्पेन के खिलाड़ियों की पकड़ में रहे, जबकि बैलन डीओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके।

दूसरा गोल खाने तक फ्रांस केवल दो शाट ही लगा पाया था और उनमें से एक भी निशाने पर नहीं था। टीम के सबसे प्रभावशाली रचनात्मक खिलाड़ी माइकल ओलिसे को भी 72वें मिनट में मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे साफ हो गया कि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह विफल रहा।

स्पेन ने लगातार तीसरी बार फ्रांस को हराया – स्पेन ने लगातार तीसरी बड़ी प्रतियोगिता में फ्रांस को हराया है। इससे पहले उसने यूरो 2024 के सेमीफाइनल और 2025 नेशंस लीग के सेमीफाइनल में भी फ्रांस को मात दी थी।

इसके साथ ही स्पेन का सभी प्रतियोगिताओं में अपराजेय अभियान 37 मैचों तक पहुंच गया, जो किसी भी यूरोपीय देश की संयुक्त रूप से सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला है। अब स्पेन 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है।

कोच ने कहा– दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है स्पेन – स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने जीत के बाद कहा, हमने लगभग चार साल पहले एक सोच के साथ शुरुआत की थी और आज तक उसी पर कायम हैं। उसी सोच ने हमें यहां तक पहुंचाया है। आज हमने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक का सामना किया, लेकिन उनके सामने दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम थी। यही सबसे बड़ा अंतर रहा। उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, ये खिलाड़ी हर सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने हर दिन अपनी प्रतिबद्धता, एकजुटता, उदारता और प्रतिभा का परिचय दिया है। ये खिलाड़ी मुश्किल काम को भी आसान बना देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

महिला क्रिकेट को नई दिशा देने घरेलू स्तर पर लाल गेंद के मुकाबले शुरु करें : शांता रंगास्वामी

चेन्नई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि महिला क्रिकेट को एक नई दिशा देने और खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए अधिक से अधिक टेस्ट मैचों का आयोजन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू स्तर पर लाल गेंद की क्रिकेट को पूरी तरह से दोबारा शुरू करने की मांग की है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बेहतर तकनीक वाले खिलाड़ियों को तैयार करने में लाल गेंद के क्रिकेट का महत्व सबसे अधिक है। रंगास्वामी ने कहा, जब मैं बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य थी, तो मैंने अक्सर महिला क्रिकेट में लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया था। पिछले साल इसे फिर से शुरू किया गया, पर यह केवल अंतरक्षेत्रीय स्तर पर और वह भी नाकआउट प्रारूप में ही सीमित रही जो पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बीसीसीआई से कहा है कि वह अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टीमों के लिए पहले की तरह ही टेस्ट मेचों की प्रतियोगिताओं को शुरू करे। साथ ही कहा कि हमारी महिला क्रिकेटरों के कौशल को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने लायक बनाने के लिए यही एकमात्र प्रभावी तरीका है। रंगास्वामी ने कि लंबी अवधि का प्रारूप ही क्रिकेट के मूलभूत सिद्धांतों और बेहतर तकनीक वाले क्रिकेटर तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है। इससे निकलकर पाये खिलाड़ी ही सीमित ओवरों के प्रारुप में भी सफल होते हैं।

बल्लेबाज हनूमा ने गंभीर पर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को ही अवसर देने का आरोप लगाया

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा विहारी ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर जमकर निशान साधा है। हनुमा ने कहा है कि गंभीर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को वरीयता देते है। इसी कारण आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। हनुमा ने कहा कि खराब फार्म के बाद भी आलराउंडर शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर को लगातार अवसर दिये जा रहे है। इसका कारण है कि उनके कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं जिन्हें वह लगातार अवसर देना चाहते हैं। फिर चाहे वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों यहा नहीं। इस क्रिकेटर ने टीम में कुछ खिलाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, शिवम न तो अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, न ही बल्लेबाजी फिर भी हर मैच में नजर आ रहे हैं।। साथ ही कहा कि वाशिंगटन सुंदर अभी भी टीम में क्यों बने हुए हैं जबकि पिछले कुछ समय में एक बार भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। हनुमा री ने टीम में लगातार बदलावों को लेकर भी गंभीर की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अनुभवी संजू सैमसन को आयरलैंड में दो अवसर देन के बाद बाहर कर दिया गया, और फिर वैभव सूर्यवंशी के साथ भी यही हुआ। इससे टीम में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। उन्होंने कहा, अगर आप प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो आपको बाहर कर दिया जाएगा। आपको खिलाड़ियों को लंबा अवसर देना चाहिए। अगर आप वैभव को शामिल कर रहे हैं तो उसे कम से कम उसे पांच या छह मैच दें और फिर तय करें कि वह काफी अच्छा है या नहीं। मुझे नहीं लगता कि यह सही रवैया है। खिलाड़ियों के लिए सुरक्षा जरूरी है। स्पिनरों के चयन पर भी उन्होंने सवाल उठाए, चाहे वह वरुण चक्रवर्ती हों, अक्षर पटेल या रवि बिश्नोई।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास, विश्व टाप-10 में पहुंचीं तीन जोड़ियां

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस ने मंगलवार को नई उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की ताजा विश्व रैंकिंग में भारत की तीन जोड़ियां पुरुष, महिला और मिश्रित डबल्स में एक साथ शीर्ष-10 में पहुंच गई हैं। यह पहली बार है, जब तीनों डबल्स वर्गों में भारत की मौजूदगी एक साथ विश्व के शीर्ष-10 में दर्ज हुई है। इस उपलब्धि की अगुआई मानव ठक्कर और मानुष शाह की जोड़ी ने की, जिसने पुरुष डबल्स में विश्व नंबर-2 रैंकिंग हासिल की। यह किसी भी डबल्स वर्ग में किसी भारतीय जोड़ी की अब तक की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग है। महिला डबल्स में दिया चितले और यशस्विनी घोरपड़े पहली बार विश्व नंबर-10 पर पहुंचीं, जबकि मिश्रित डबल्स में दिया चितले और मानुष शाह की जोड़ी विश्व नंबर-5 पर काबिज हो गई। लास एंजिल्स ओलंपिक से पहले बढ़ा भरोसा यह उपलब्धि ऐसे समय आई है, जब लास एंजिल्स ओलंपिक-2028 में डबल्स स्पर्धाओं की वापसी होने जा रही है। भारतीय जोड़ियों का मौजूदा प्रदर्शन ओलंपिक तैयारियों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपे जैसी पारंपरिक ताकतों के बीच भारत ने डबल्स वर्ग में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। ताजा रैंकिंग इस बात का संकेत है कि भारतीय टेबल टेनिस अब केवल एकल स्पर्धा तक सीमित नहीं, बल्कि तीनों डबल्स वर्गों में भी विश्व की अग्रणी टीमों को चुनौती देने की स्थिति में पहुंच चुका है।

एशियन गेम्स से पहले ग्लासगो में होगी असली परीक्षा भारतीय धावकों ने बताया क्यों कठिन है पदक जीतना

नई दिल्ली

भारत के शीर्ष 400 मीटर धावकों का मानना है कि आगामी कामनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतना इस साल होने वाले एशियन गेम्स की तुलना में अधिक कठिन होगा। उनका कहना है कि ग्लासगो में मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा एशियन गेम्स से पहले खुद को परखने का बेहतरीन अवसर साबित होगी। 23 जुलाई से शुरू हो रहे कामनवेल्थ गेम्स में भारत 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम उतारेगा। इसके लगभग दो महीने बाद एशियन गेम्स का आयोजन होगा।

कामनवेल्थ गेम्स में प्रतिस्पर्धा ज्यादा कठिन

पुरुष 400 मीटर और मिश्रित 4×400 मीटर रिले में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विशाल थेन्नारासु कयालविझी ने कहा कि ग्लासगो में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे मजबूत देशों के धावकों की मौजूदगी भारतीय एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, कामनवेल्थ गेम्स कठिन है, लेकिन अगर हम अच्छी तैयारी करें तो पदक जीतना संभव है। कोई भी बड़ा टूर्नामेंट आसान नहीं होता, चाहे वह एशियन गेम्स हो या कामनवेल्थ गेम्स। मेरे लिए यह खुद को साबित करने का बड़ा मौका है और मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा।

पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन पर रहेगा फोकस

22 वर्षीय विशाल फिलहाल सरकार की ओर से प्रायोजित 45 दिन के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड के स्पाला रवाना हुए हैं। 60 सदस्यीय भारतीय दल में 41 खिलाड़ी और 19 कोच व सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। विशाल ने कहा कि ग्लासगो में उनका पहला लक्ष्य दोनों स्पर्धाओं में अपना पर्सनल बेस्ट टाइम हासिल करना होगा।

फेडरेशन कप (रांची) में 400 मीटर में 44.98 सेकेंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया।

वर्ल्ड रिले (गाबोरोन, बोत्सवाना) में पुरुष 4×400 मीटर रिले में 3:00.32 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मिश्रित 4×400 मीटर रिले में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 3:14.81 मिनट है, जो उन्होंने पिछले वर्ष चीन में आयोजित वर्ल्ड रिले में दर्ज किया था।

जय कुमार बोले- एशियन गेम्स मुख्य लक्ष्य, लेकिन सीडब्ल्यूजी ज्यादा चुनौतीपूर्ण

भारतीय धावक जय कुमार ने भी माना कि कामनवेल्थ गेम्स एशियन गेम्स की तुलना में ज्यादा कठिन प्रतियोगिता होगी, हालांकि इस साल उनका मुख्य लक्ष्य एशियन गेम्स में अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, इस साल मेरा मुख्य लक्ष्य एशियन गेम्स है। इंटर-स्टेट और फेडरेशन कप मेरे लिए महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं थीं और वहां मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा। अब मैं 45 दिन के प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड जा रहा हूं और उसके बाद अपनी स्थिति का आकलन करूंगा।

उन्होंने आगे कहा, कामनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स दोनों में पदक जीतना आसान नहीं होगा। अगर 400 मीटर की बात करें तो कामनवेल्थ गेम्स में विजेता खिलाड़ियों का समय आमतौर पर 43 से 45 सेकेंड के बीच रहता है, जबकि हाल के वर्षों में एशियन गेम्स में यह समय 45 सेकेंड से ऊपर रहा है।

कामनवेल्थ गेम्स एशियन गेम्स की तैयारी का बड़ा मंच

भारतीय 400 मीटर धावकों का मानना है कि ग्लासगो में मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा उन्हें अपनी कमियों को पहचानने और प्रदर्शन में सुधार करने का अवसर देगी। ऐसे में कामनवेल्थ गेम्स न केवल पदक की चुनौती होगी, बल्कि एशियन गेम्स की तैयारी के लिए भी एक अहम परीक्षा साबित होगा।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रा में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है।

वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे।

इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

विश्व कप का जुनून : दुर्गापुर में मिठाईयों से बनाई गई लियोनेल मेसी की अनोखी प्रतिमा

दुर्गापुर। विश्व कप फुटबाल का रोमांच बढ़ने के साथ ही अर्जेंटीना और उसके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को लेकर प्रशंसकों का उत्साह भी चरम पर है। इसी उत्साह को खास अंदाज में पेश करते हुए पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर के वार्ड नंबर 24 स्थित मामड़ा बाजार की एक मिठाई की दुकान में पूरी तरह मिठाइयों से लियोनेल मेसी की आकर्षक प्रतिमा तैयार की गई है। इस अनोखी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबाल प्रेमी दुकान पर पहुंच रहे हैं। लोग प्रतिमा के साथ सेल्फी ले रहे हैं और मेसी-मेसी तथा विवा अर्जेंटीना के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। विश्व कप के माहौल में मामड़ा बाजार मानो फुटबाल प्रेमियों के लिए उत्सव स्थल बन गया है। दुकान के मालिक देवाशीष घोष ने बताया कि वह बचपन से ही अर्जेंटीना के समर्थक और लियोनेल मेसी के बड़े प्रशंसक हैं। वर्ष 2022 की तरह इस बार भी उन्होंने मेसी की मिठाई से बनी प्रतिमा तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी विश्व कप की ट्राफी मेसी के हाथों में ही पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ किलोग्राम खोया, खीर, सफेद और डार्क चाकलेट का उपयोग कर घर में ही इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। उनके अनुसार यह केवल फुटबाल प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है।

अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम जारी रहेगा : आईसीसी

एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने एक अहम फैसले में अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही आईसीसी बोर्ड ने एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन किया है, जिससे साल 2030 तक इन महिला खिलाड़ियों को आईसीसी के क्वालिफिकेशन पाथवे में शामिल करने के लिए भविष्य की योजना बनायी जा सके। जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आईसीसी की इस सालान बोर्ड बैठक में स्वतंत्र निदेशक डा. रोज रिवाज और आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति की सदस्य सारा कीन को भी स्पेशल टास्क फोर्स में शामिल किये जाने पर सहमति बन गयी। ये दोनों ही बीसीसीआई, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करेंगे। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य महिला क्रिकेट कार्यक्रम की लगातार निगरानी करना है, जिससे खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें।

डा. रास रिवाज ने इस अवसर पर कहा, टास्क फोर्स को एक स्पष्ट और टिकाऊ रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसका लक्ष्य संरचित कोचिंग, सार्थक प्रतिस्पर्धी अवसरों और सही हाई-परफार्मेंस पाथवे के माध्यम से अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लगातार विकास में सहायता करना है। डा. रिवाज ने साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम क्रिकेट के माध्यम से अवसर पैदा करने की आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उद्देश्य, ईमानदारी और दीर्घकालिक स्थिरता के साथ पूरा करने के लिए टास्क फोर्स के अन्य सदस्यों और डिलीवरी पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

यह समर्थन केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें उनके घरेलू इलाकों में क्रिकेट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग (एसएंडसी) कोच के साथ-साथ फिजियोथेरेपी की सुविधा भी शामिल है। धीरे-धीरे, खिलाड़ियों के लिए खेल के समय को भी बढ़ाया जाएगा। आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा जैसे देशों में रहने वाली खिलाड़ियों को अपने स्थानीय क्रिकेट वातावरण में एकीकृत किया जाएगा, जहाँ उन्हें नियमित प्रशिक्षण और खेलने के पर्याप्त अवसर मिलते रहेंगे। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को एक समूह के रूप में प्रशिक्षण लेने और मुकाबले में भाग लेने के अवसर मिलते रहेंगे, जैसा कि पिछले 12 महीनों में भारत और इंग्लैंड के सफल दौरों के दौरान देखा गया था।

अक्षर के आलराउंड प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

बर्मिंघम

आलराउंडर अक्षर पटेल के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और शुभमन गिल व वाशिंगटन सुंदर की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में भारत ने 259 रन का लक्ष्य 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा (11) और विराट कोहली (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर (35) ने तीसरे विकेट के लिए 101 रन जोड़कर पारी संभाली। गिल ने 80 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। श्रेयस रन आउट हुए और केएल राहुल बोल्ड हो गए। इसके बाद अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन की साझेदारी की। अक्षर ने नाबाद 57 रन, जबकि सुंदर ने नाबाद 52 रन बनाए। सुंदर ने आदिल रशीद पर विजयी छक्का लगाकर अपना अर्धशतक भी पूरा किया और भारत को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड ने 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। एक समय मेजबान टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए 19 रन के भीतर पांच विकेट झटक दिए। संकट में फंसी इंग्लैंड की पारी को जो रूट (76) और लियाम डासन (68) ने संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 121 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से गेंदबाजी में भी अक्षर पटेल ने कमाल किया और 4 विकेट अपने नाम किए। प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली।

अक्षर ने बनाया खास रिकार्ड

इस मुकाबले में अक्षर पटेल ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। वह वनडे क्रिकेट में एक ही मैच में 50 से अधिक रन बनाने और 4 विकेट लेने वाले भारत के छठे पुरुष क्रिकेटर बन गए। उनसे पहले हार्दिक पंड्या ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर वनडे में यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारत की इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज में मेहमान टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है।

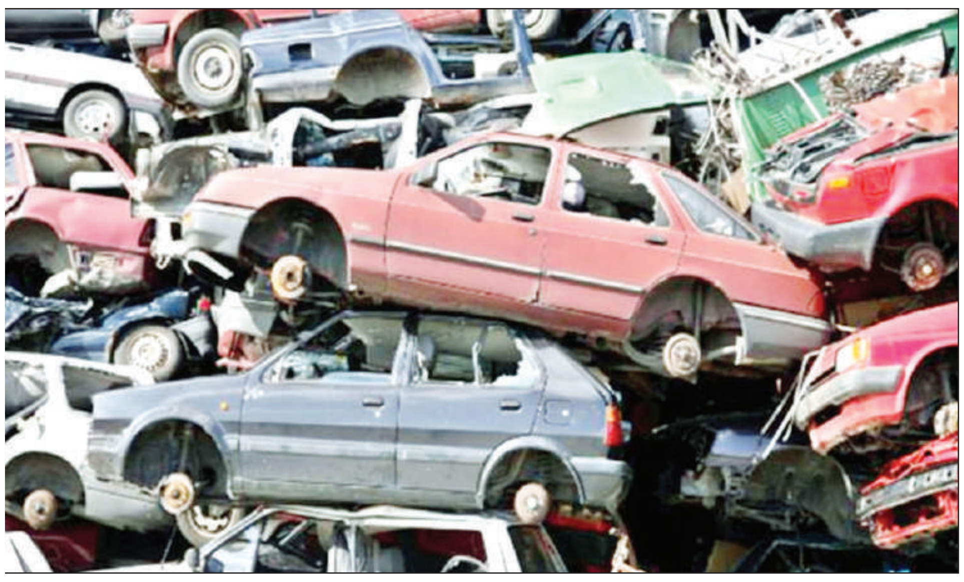

भारत में पुरानी कारों का बाजार हुआ डिजिटल : 2031 तक 1 करोड़ इकाई तक पहुंच सकता है कारोबार

नई दिल्ली

भारत में पुरानी कारों को खरीदने और बेचने का तरीका तेजी से बदल रहा है, जिसमें डिजिटल प्लेटफार्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यूबीएस की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ग्राहक अब स्थानीय डीलरों या जान-पहचान के बजाय आनलाइन प्लेटफार्म पर कारों की जानकारी और तुलना करके खरीदारी का फैसला ले रहे हैं। अनुमान है कि यह बदलाव आने वाले सालों में और तेज होगा, जिससे भारत का पुरानी कारों का बाजार 2031 तक बढ़कर 90 लाख से 1 करोड़ वाहनों तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में करीब 60 लाख पुरानी कारों की खरीद-बिक्री होने का अनुमान है। इसके साथ ही, बेहतर क्वालिटी और अपेक्षाकृत नए माडलों की बढ़ती मांग के कारण पुरानी कारों की औसत कीमत भी 5 लाख रुपये से बढ़कर 6.5 से 6.9 लाख रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। ग्राहक अब औसतन 5.5 साल के बजाय करीब 4.5 साल में अपनी कार बदल रहे हैं, जिससे बाजार में पुरानी कारों की उपलब्धता बढ़ेगी और खरीद-बिक्री में तेजी आएगी। फिलहाल, भारत में पुरानी कारों की लगभग 80 फीसदी खरीद-बिक्री अभी भी असंगठित तरीके से स्थानीय डीलरों या सीधे खरीदार-विक्रेता के बीच होती है। यह स्थिति आनलाइन प्लेटफार्म के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करती है, क्योंकि अमेरिका, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों की तुलना में भारत में संगठित और डिजिटल बाजार की हिस्सेदारी अभी काफी कम है। अब आनलाइन प्लेटफार्म सिर्फ कार की तस्वीरें और कीमत ही नहीं दिखा रहे, बल्कि वाहन की जांच, सही कीमत का आकलन, फाइनेंस, बीमा और दस्तावेजों से जुड़ी सुविधाएं भी प्रदान कर रहे हैं। भविष्य में डिजिटल पेमेंट, एस्क्रो अकाउंट और होम डिलीवरी जैसी एंड-टू-एंड सेवाएं भी तेजी से जुड़ेंगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इस बाजार को बदल रहा है, जो ग्राहकों की जरूरत के हिसाब से कार सुझाने, सही खरीदार-विक्रेता का मिलान करने और कीमत तय करने में मदद करेगा, जिससे सौदे जल्दी पूरे होंगे। केवल आम ग्राहक ही नहीं, बल्कि बैंक, एनबीएफसी और बीमा कंपनियां भी अब अपनी पुरानी या जब्त की गई गाड़ियों की बिक्री के लिए आनलाइन नीलामी प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत-ब्रिटेन सीईटीए लागू, 99 फीसदी भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) लागू हो गया। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा समझौता, जिसे दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) कहा जाता है, भी लागू हो गया। इससे ब्रिटेन में भारतीय प्रोफेशनल्स की आवाजाही और काम्पिटिटिवनेस को बढ़ावा मिलेगा। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर 24 जुलाई, 2025 को हस्ताक्षर किए गए थे। यह ऐतिहासिक समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। आर्थिक मामलों के जानकार इसे पिछले कुछ वर्षों में भारत के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौतों में से एक मान रहे है। वहीं, सरकार का दावा है कि इससे किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, निर्यातकों और सेवा क्षेत्र को जबरदस्त लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मारीशस, यूएई, आस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है। उल्लेखनीय है कि भारत-ब्रिटेन के बीच सीईटीए लागू होने से भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और किसानों, उद्योगों, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप तथा युवा पेशेवरों को नए अवसर मिलेंगे। इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके अलावा ब्रिटेन से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क घटाया जाएगा। इससे कीमतों में कमी आएगी।

कम बारिश से गहराने लगा संकट, चावल दाल और तेल की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली

मानसून की कमजोर शुरुआत ने भारतीय थाली पर महंगाई का बोझ बढ़ाना शुरू कर दिया है। खरीफ सीजन की मुख्य फसलों की बुआई में आई कमी के कारण चावल, दालों और खाद्य तेलों की खुदरा कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आने वाले समय में आम उपभोक्ता को और अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी थाली में दाल पतली, सब्जियों में तेल कम और चावल में कटौती दिख सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इस साल सामान्य से कम बारिश (दीर्घावधि औसत का लगभग 90 प्रतिशत) का अनुमान लगाया है। जून में बारिश की कमी लगभग 40 प्रतिशत रही, जिसने धान, दालों, तिलहन और मोटे अनाजों सहित सभी प्रमुख खरीफ फसलों की बुआई को बाधित किया। जुलाई के पहले सप्ताह में कुछ राज्यों में अच्छी बारिश हुई, लेकिन यह कमी पूरी नहीं कर पाई। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, देश के 738 जिलों में से 44 प्रतिशत से अधिक जिलों में अब भी बारिश की कमी है, और 10 प्रतिशत जिलों में तो यह कमी बहुत गंभीर है।

क्वांटईको रिसर्च की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि मानसून कमजोर रहने की स्थिति में दालें, मोटे अनाज, तिलहन और कपास सबसे अधिक जोखिम वाली फसलें होंगी। महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य, जहाँ सिंचाई की सुविधा अपेक्षाकृत कम है, इस संकट से सबसे अधिक असुरक्षित हैं। कुल मिलाकर, कम बारिश के कारण उत्पन्न हुआ यह संकट सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर आम आदमी की थाली पर भी असर डाल रहा है। आने वाले समय में दाल, चावल और खाद्य तेलों की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका है, जिससे महंगाई का दबाव और भी बढ़ सकता है।

विशेष रूप से चावल (धान) की कीमतों में जून महीने में महंगाई दर बढ़कर 1.72 प्रतिशत हो गई, जबकि मई में यह मात्र 0.23 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण 10 जुलाई तक धान की बुआई में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 8.63 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट है, जो भविष्य में आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती है। दालों की स्थिति भी चिंताजनक है। खरीफ की प्रमुख दालों, जैसे तूर (अरहर), उड़द और मूंग की कीमतों में भी जून में तेज उछाल देखा गया है। तूर की महंगाई दर मई में -1.77 प्रतिशत (यानी कीमतें घट रही थीं) से बढ़कर जून में 0.85 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसी तरह, उड़द की महंगाई 0.89 प्रतिशत से बढ़कर 2.16 प्रतिशत और मूंग की 1.15 प्रतिशत से बढ़कर 1.71 प्रतिशत हो गई है। इन दालों की बुआई में क्रमशः 30.29 प्रतिशत, 29.71 प्रतिशत और 10.62 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जो आने वाले महीनों में दालों की उपलब्धता और कीमतों को और प्रभावित कर सकती है। खाद्य तेलों पर भी महंगाई का साया मंडरा रहा है। तिलहन में महंगाई जून में 5.42 प्रतिशत रही, जो मई के 4.9 प्रतिशत से अधिक है। 10 जुलाई तक तिलहन की बुआई में 21.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जिसका सीधा असर सरसों, सोया और सूरजमुखी जैसे खाद्य तेलों की कीमतों पर पड़ेगा। ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाजों, जिन्हें अक्सर कमजोर इलाकों में वैकल्पिक फसल के रूप में बढ़ावा दिया जाता है, उनकी महंगाई भी बढ़ रही है।

बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स में सोनी ने लॉन्च की नई 'ब्राविया ट्रू आरजीबी' टीवी रेंज

हैदराबाद ।

तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सोनी इंडिया ने बुधवार को हैदराबाद के पंजागुट्टा स्थित बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में अपनी अत्याधुनिक 'सोनी ब्राविया ट्रू आरजीबी' टीवी शृंखला को भव्य रूप से लॉन्च किया। इस खास लॉन्चिंग कार्यक्रम में टॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ईशा रेब्बा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने इस नई टीवी रेंज का अनावरण किया। यह लॉन्चिंग अगली पीढ़ी की टेलीविजन तकनीक और उपभोक्ताओं को बेहतरीन मनोरंजन का बेजोड़ अनुभव प्रदान करने की दिशा में सोनी की प्रतिबद्धता का एक बड़ा मील का पत्थर है।

इस भव्य लॉन्च कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री ईशा रेब्बा के साथ सोनी इंडिया के हैदराबाद जनरल मैनेजर व ब्रांच हेड श्री संतोष, रिटेल बिजनेस ट्रेनिंग व ट्रेड मार्केटिंग के जनरल मैनेजर और प्रमुख श्री सुवरूप मुखर्जी तथा सोनी इंडिया की नेशनल हेड-ट्रेनिंग सुश्री विनीता चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, नया 'सोनी ब्राविया ट्रू आरजीबी' टीवी अपनी अनूठी और उन्नत रंग तकनीक के कारण दर्शकों को असली और जीवंत दृश्यों का अनुभव कराएगा। इसके हाई-डेफिनिशन डिस्प्ले और उन्नत फीचर्स के साथ उपभोक्ताओं को अपने घर पर ही सिनेमाघर जैसा अहसास मिलेगा।

पंजागुट्टा स्थित बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स में आयोजित इस कार्यक्रम में नई टीवी रेंज को लॉन्च करने के बाद अभिनेत्री ईशा रेब्बा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सोनी हमेशा से अपनी बेहतरीन पिक्चर और साउंड क्वालिटी के लिए जाना जाता रहा है और नई ब्राविया ट्रू आरजीबी रेंज निश्चित रूप से दर्शकों के टीवी देखने के अनुभव को एक नए स्तर पर ले जाएगी। लॉन्च के अवसर पर बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स और सोनी इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि हैदराबाद के बाजार में इस नई रेंज को उतारने के लिए बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स से बेहतर कोई और मंच नहीं हो सकता था। इस साझेदारी से उपभोक्ताओं को अब सबसे आधुनिक और इनोवेटिव मनोरंजन तकनीक आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

छाती दबाना,...

पेनिट्रेशन का सबूत नहीं है और ना ही रेप करने के प्रयास की मेडिकल पुष्टि है। रेप के प्रयास की पुष्टि के लिए मेडिकल सबूत नहीं है।

2. चिकित्सा अधिकारी की गवाही नहीं कोर्ट ने कहा कि इस केस में बहुत खामियां हैं। कोर्ट ने कहा कि 5 गवाहों में एक ही स्वतंत्र गवाह था, जो मुकर गया। जांच पूरी कर चार्जशीट दाखिल करने वाले जांच अधिकारी से मुकदमे के दौरान पूछताछ तक नहीं की गई थी। इसके अलावा चिकित्सा अधिकारी की भी गवाही नहीं कराई गई।

3. सिर्फ माता-पिता ही मुख्य गवाह इस मामले में पीड़िता के माता-पिता ही मुख्य गवाह हैं, जिनका इस मामले के नतीजे से सीधा संबंध है। अदालतें मानती आई हैं कि ऐसे गवाह अपने पक्ष में तथ्यों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर सकते हैं। प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी पर पीड़िता का बयान स्वीकार्य है कि पुलिस स्टेशन में थाना प्रभारी ने शुरू में केस दर्ज करने से मना कर दिया था, जिस कारण अगले दिन एफआईआर हुई।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट का हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने कहा यौन अपराधों में पीड़िता की गवाही सजा के लिए पर्याप्त हो सकती है, लेकिन इसके लिए गवाही का बेदाग और पूरी तरह से विश्वसनीय होना अनिवार्य है। गवाही में विरोधाभास हैं, तो बिना स्वतंत्र पुष्टि के आरोपी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यहां युवती के बयानों में कई तरह का विरोधाभास है।

सुप्रीम कोर्ट गाइडलाइन, 3 जरूरी सवालों के जवाब

1. गाइडलाइन बनाने का आदेश कब और क्यों दिया? इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मार्च 2025 में आदेश दिया कि नाड़ा तोड़ना, निजी अंग पकड़ना रेप की कोशिश नहीं, सिर्फ क्राइम की तैयारी थी, वास्तविक प्रयास नहीं। इसी केस पर सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2026 को आदेश दिया यह रेप की कोशिश ही है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ज्यूडिशियल अकादमी को यौन अपराध मामलों की सुनवाई के लिए गाइडलाइंस तैयार करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इसका मकसद न्यायाधीशों में संवेदनशीलता और करुणा विकसित करना होना चाहिए, ताकि ऐसे मामलों की सुनवाई पीड़ित केंद्रित और गरिमापूर्ण तरीके से हो। खासतौर पर कहा कि गाइडलाइंस में भारत का सामाजिक तानाबाना दिखना चाहिए, इन्हें विदेशों की न्यायिक व्यवस्था से न शामिल कर लिया जाए।

2. गाइडलाइन पर एक्सपर्ट कमेटी को क्या निर्देश दिए थे? सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि समाज में कई ऐसे अपमानजनक शब्द प्रचलित हैं, जिनका इस्तेमाल अक्सर स्थानीय बोलियों में खुलेआम किया जाता है। इनमें से कई शब्द अपराध की श्रेणी में आ सकते हैं, लेकिन लोग अक्सर यह समझे बिना उनका इस्तेमाल करते हैं। अगर एक्सपर्ट कमेटी देश की विभिन्न भाषाओं और बोलियों में प्रचलित ऐसे अपमानजनक शब्दों और अभिव्यक्तियों की पहचान कर सके तो ऐसे शब्दों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। इनका इस्तेमाल होने से रोका जा सकेगा और यौन अपराध के शिकायतकर्ता व पीड़ित अपने साथ हुई प्रताड़ना और मानसिक आघात का अधिक सटीक और पूर्ण ब्योरा अदालत के सामने रख सकेंगे। पुलिस, वकील और अदालतें उनकी गंभीरता को समझ सकेंगी।

3. किन-किन जगहों पर होगा इस गाइडलाइन का इस्तेमाल? पटना हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और कहा कि वे रिसर्च करें। अदालत ने 14 जुलाई 2026 को ज्यूडिशियल अकादमी की एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट को मंजूरी दी, जिसमें यौन अपराधों की सुनवाई के दौरान संवेदनशीलता निश्चित करने के लिए गाइडलाइन बनाई गई है। ये गाइडलाइन/कॉपी बुक सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला अदालतों की वेबसाइट पर अपलोड करने के आदेश दिए। इसे नेशनल ज्यूडिशियल अकादमी, सभी राज्य न्यायिक अकादमियों, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विधि विभागों को भी भेजा जाए।

भारतीय कानून में रेप की कोशिश किसे माना जाता है?

25 अक्टूबर 2021 को एक अन्य केस की सुनवाई के दौरान रेप की तैयारी और रेप की कोशिश में फर्क बताया गया था

रेप की तैयारी: इसमें अपराध की योजना बनाना, साधन जुटाना या इरादा करना शामिल है। यह अपराध शुरू होने से पहले का चरण है। कानून इस प्रयास के लिए सजा देता है, भले ही अपराध पूरा हुआ हो या नहीं। प्रयास करने वाले को सजा दी जाती है क्योंकि इसमें भी गलत इरादा होता है और यह समाज को नुकसान पहुंचाता है।

रेप की कोशिश: जब तैयारी खत्म हो जाती है और अपराध को पूरा करने की ओर सीधा कदम उठाया जाता है, तो वह कोशिश कहलाती है। तैयारी खत्म होने के बाद कोशिश शुरू होती है, लेकिन यह अपराध के पूरे होने से पहले रुक जाती है। अगर कोशिश नाकाम रहती है तब भी कानून सजा देता है क्योंकि इरादा और नैतिक गलती मौजूद होती है।

पटना हाईकोर्ट के इस फैसले का असर, एक्सपर्ट की राय

पटना हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट सर्वदेव सिंह कहते हैं कि हाईकोर्ट ने कानून के तहत ही फैसला सुनाया है। इसका निगेटिव इम्पैक्ट पड़ना गलत है। हालांकि, लोगों के बीच इस फैसले को लेकर आक्रोश भी हो सकता है।

मगध महिला कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर और साइकोलॉजिस्ट निधि सिंह ने कहा कि ऐसे फैसलों से महिलाओं और बच्चियों में न्याय प्रणाली के प्रति अविश्वास बढ़ेगा। इतनी गंभीर घटना को 'हल्की' धाराओं में बदल दिया जाएगा तो पीड़ित शिकायत करने और लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने से हिचकेंगी। अपराधियों का मनोबल बढ़ेगा।

एसआईआर बढ़ा...

* निष्क्रिय जमीनी कर्मचारी: प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि हैदराबाद के 15 विधानसभा क्षेत्रों के कई इलाकों में बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) भौतिक रूप से घर-घर जाकर सत्यापन नहीं कर रहे हैं।

* फॉर्म की कमी: पार्टी को नागरिकों से कई शिकायतें मिलीं कि उन्हें नए पंजीकरण या विवरण सुधारने के लिए आवश्यक भौतिक फॉर्म उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं।

अब जबकि निर्वाचन आयोग ने आधिकारिक तौर पर इस विस्तार को मंजूरी दे दी है, मतदाताओं से अपील की गई है कि वे थोड़ा समय निकालें, सामुदायिक केंद्रों में जाकर बीएलओ (बीएलओ) से मिलें और इस मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लें।

शाबाद हत्याकांड...

कि राज कुमार ने कथित तौर पर अपनी खुद की पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या क्यों की, जबकि उसने नाबालिग लड़की के दिव्यांग भाई/बहन (सहोदर) को छोड़ दिया और उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मद्रासी छात्रा ...

खिताब जीतने के बाद आभार व्यक्त करते हुए हसिथा ने अपने परिवार, दोस्तों, सलाहकारों और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनकी इस पूरी जर्नी में उनका साथ दिया है।

उन्होंने कहा कि मिस यूनिवर्स तेलंगाना 2026 का ताज पहनना उनके लिए सम्मान की बात है और राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए वे उत्साहित हैं। उन्होंने मिस यूनिवर्स तेलंगाना संगठन का भी आभार व्यक्त किया है और डॉ. सुनीता को उनके मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और अटूट विश्वास के लिए विशेष धन्यवाद दिया है।

फिर...

रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15% से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं।

डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सहयोगियों के खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं। बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

सीनेट में पेश रूस-विरोधी टैरिफ बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का समर्थन मिला है। इसे अमेरिकी राजनीति में 'बाइपार्टिसन बिल' कहा जाता है। यानी ऐसा प्रस्ताव जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सहमत हों। आमतौर पर अमेरिका में कई बड़े विधेयक राजनीतिक मतभेदों की वजह से अटक जाते हैं। लेकिन जब दोनों दल किसी बिल के साथ खड़े होते हैं, तो उसके कांग्रेस से पारित होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

हालांकि, बिल को कानून बनने के लिए अभी सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) दोनों से मंजूरी लेनी होगी। इसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने पर ही यह कानून बनेगा। संशोधित बिल में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को यह अधिकार भी दिया गया है कि अगर उन्हें लगे कि यह अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है, तो वे इन प्रतिबंधों या टैरिफ में छूट दे सकते हैं।

यह बिल अप्रैल 2025 में रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पेश किया था। 11 जुलाई को लिंडसे ग्राहम का निधन हो गया। ट्रम्प ने कहा कि इस बिल को आगे बढ़ाना ग्राहम की प्राथमिकता थी और इसे उनकी याद में आगे बढ़ाया जा रहा है। अब तक 26 सीनेटर इस बिल को अपना समर्थन दे चुके हैं और आगे समर्थन बढ़ने की उम्मीद है।

टैरिफ पर कानून बनाने की जरूरत क्यों पड़ी

ट्रम्प ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम का हवाला देकर कई देशों पर टैरिफ लगाया। इसके तहत नेशनल इमरजेंसी घोषित कर नोटिफिकेशन जारी किया जाता और सीधे टैरिफ लगा देते थे। 20 फरवरी 2026 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आईईईपीए राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता। यह अधिकार मुख्य रूप से कांग्रेस (संसद) के पास है। इसी वजह से अब इस पर बिल लाया गया है, ताकि राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाए

100% टैरिफ से भारत पर 3 बड़े असर होंगे

भारतीय सामान दोगुने महंगे हो जाएंगे: अमेरिका भारत का सबसे बड़ा बाजार है, जहां भारत सालाना करीब 6.5 लाख करोड़ रुपए का सामान निर्यात करता है। 100% टैक्स लगने से भारतीय सामान वहां दोगुने महंगे हो जाएंगे और बिक्री ठप हो जाएगी।

बचत से 10 गुना बड़ा घाटा: रूसी तेल से भारत सालाना करीब 60,000 करोड़ रुपए बचाता है, लेकिन अमेरिकी बाजार खोने से होने वाला नुकसान इस बचत से 10 गुना ज्यादा होगा।

नौकरियां जाएंगी और रुपया कमजोर होगा: 100% टैरिफ से अमेरिका को होने वाला 2.1 लाख करोड़ का कपड़ा, हीरा और दवा निर्यात ठप हो जाएगा। इससे इन उद्योगों में काम करने वाले करीब 15 से 20 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। निर्यात घटने से देश में डॉलर की कमी होगी, जिससे भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।

यूएस ने ...

भारत ने होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं।

ट्रम्प ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स लगाने का अपना फैसला वापस ले लिया। उन्होंने मिडिल ईस्ट के नेताओं के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया। होर्मुज स्ट्रेट मंगलवार को सिर्फ 4 जहाज गुजरे। 17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के बाद यह सबसे कम शिपिंग ट्रैफिक है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना एवं इस्कॉन आबिड्स के संयुक्त तत्वावधान में

स्वर्ण जयंती श्री जगन्नाथ रथयात्रा का भव्य आयोजन आज

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना (पंजीकरण संख्या 160/1998) एवं इस्कॉन आबिड्स के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्ण जयंती श्री जगन्नाथ रथयात्रा का भव्य आयोजन गुरुवार, 16 जुलाई, 2026 को किया जाएगा। इस्कॉन हैदराबाद के 50 वर्ष (197602026) पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित यह रथयात्रा हैदराबाद के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजनों में से एक मानी जा रही है।

रथयात्रा का शुभारंभ प्रातः 11:00 बजे एनटीआर स्टेडियम से होगा।

उद्घाटन समारोह में संत-महात्माओं, विशिष्ट अतिथियों तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय पदाधिकारियोंअध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, संयुक्त सचिव प्रतीक कुमार नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल तथा योजना, सुशासन एवं सुधार समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक केड़िया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे।

8 किलोमीटर लंबे मार्ग से गुजरेगी रथयात्रा

लगभग 8 किलोमीटर लंबी यह भव्य रथयात्रा एनटीआर स्टेडियम से प्रारंभ होकर आरटीसी एक्स रोड्स, चिक्कडपल्ली, नारायणगुड़ा, हिमायतनगर, टीवी-9 मंदिर, लिबर्टी, बशीरबाग, चेरमास, आबिड्स जीपीओ, एम.जे. मार्केट एवं गांधी भवन मेट्रो स्टेशन होते हुए सायं 6:00 बजे प्रदर्शनी मैदान (नांपल्ली) पहुंचेगी।

सेवा कार्यों में जुटेंगे सैकड़ों स्वयंसेवक

आयोजकों के अनुसार इस भव्य आयोजन में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से 240 से अधिक स्वयंसेवक पूरे रथयात्रा मार्ग एवं प्रदर्शनी मैदान में महाप्रसाद वितरण, व्यवस्था एवं सेवा कार्यों का दायित्व संभालेंगे।

इसके अतिरिक्त 151 से अधिक महिला स्वयंसेविकाएँ तथा समाज की विभिन्न शाखाओं के समन्वयक पारंपरिक वेशभूषा में पालकी सेवा, रथ खींचने की सेवा एवं श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी निभाएंगे।

एकता, सेवा और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक

अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय कार्यकारिणी ने कहा कि स्वर्ण जयंती श्री जगन्नाथ रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में एकता, सेवा और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक है। इस्कॉन आबिड्स के साथ मिलकर समाज इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहा है।आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं एवं हैदराबादवासियों से अपील की है कि वे 16 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे एनटीआर स्टेडियम से प्रारंभ होने वाली इस दिव्य रथयात्रा में सहभागी बनकर भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करें। साथ ही सायं 6:00 बजे प्रदर्शनी मैदान (नांपल्ली) में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, छप्पन भोग दर्शन, महाआरती एवं महाप्रसाद का भी लाभ उठाएं।

‘शपथ’ अभियान के तहत 207 विद्यार्थियों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने शांतिनिकेतन हाई स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान

इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास राव ने बताए नशे के दुष्परिणाम, प्रेरणादायक फिल्म का भी हुआ प्रदर्शन

स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन अपनाने का विद्यार्थियों ने लिया संकल्प

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा संचालित ‘शपथ 0 नशा मुक्ति अभियान’ के अंतर्गत मंगलवार को शांतिनिकेतन हाई स्कूल, दूधबावली (हैदराबाद) में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 207 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया तथा नशे से दूर रहने के संदेश को गंभीरता से आत्मसात किया। शपथ अभियान की टीम ने सरल, प्रभावी एवं प्रेरक प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तेलंगाना ईगल फोर्स के इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास राव ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डिजिटल मोबाइल वाहन के माध्यम से बड़ी स्क्रीन पर नशा मुक्ति विषय पर आधारित एक प्रेरणादायक फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। यह जनजागरूकता पहल मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। कार्यक्रम का आयोजन रामनिवास बंसल, दिव्या अग्रवाल, अनिल सिंह एवं कन्हैया गड़िया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती शशि रेखा एवं समस्त शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों को जीवनभर नशे से दूर रहने, स्वयं जागरूक रहने तथा दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सलाहकार परिषद में राजेश गोयल का मनोनयन

समाज की एडवाइजरी काउंसिल के सम्मानित सदस्य बनाए गए

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने स्वर्गीय श्री फतेहचंद गोयल (प्रभुदयाल जी पंच परिवार) के सुपुत्र राजेश गोयल को समाज की सलाहकार परिषद (एडवाइजरी काउंसिल/फोरम) का सम्मानित सदस्य मनोनीत किया है।यह मनोनयन समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, संयुक्त सचिव प्रतीक कुमार नरसरिया, चेयरमैन (प्लानिंग एंड रिफॉर्म्स) डॉ. अशोक केड़िया, दिनेश कुमार मोदी, कमल अग्रवाल, शंभूराय अग्रवाल एवं शंकर अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

पदभार ग्रहण करने के पश्चात राजेश गोयल ने समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए समाज के प्रति उनकी सेवा भावना की सराहना की। उन्होंने राघव रत्ना टावर्स की 10वीं मंजिल स्थित लगभग 43 लाख मूल्य की संपत्ति अग्रवाल समाज तेलंगाना को समर्पित करने के उनके ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी निर्णय की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।इस अवसर को समाज के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि एक ओर सलाहकार परिषद में एक अनुभवी एवं सम्मानित सदस्य का मनोनयन हुआ है, वहीं दूसरी ओर समाजहित में अध्यक्ष द्वारा किए गए अनुकरणीय योगदान का भी अभिनंदन किया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने विश्वास व्यक्त किया कि राजेश गोयल का अनुभव, मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहभागिता समाज के संगठनात्मक विकास, जनकल्याणकारी गतिविधियों तथा सामाजिक सेवा कार्यों को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी एवं उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का को प्रजा भवन में विश्व मिठाई एवं नमकीन सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित करते हुए फेडरेशन ऑफ स्वीट एंड नमकीन मैन्युफैक्चरर्स के निदेशक फिरोज नकवी, पैन इंडिया समन्वयक आफताब, जसमत पटेल, रिद्धिश जगीरदार, मुकेश चौहान, निलेश छेड़ा तथा विपुल छेड़ा।

सुलसा सम्यक सामायिक जोन में साधना एवं संगठन पर ‘संवाद संगोष्ठी’ संपन्न

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित 25 सम्यक सामायिक जोनों के सुदृढ़ संचालन एवं नियमित मार्गदर्शन के उद्देश्य से चलाए जा रहे ‘संवाद संगोष्ठी’ अभियान के अंतर्गत सुलसा सम्यक सामायिक जोन में प्रेरणादायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अभियान के तहत मंडल की अध्यक्षा श्रीमती नमिता सिंघी एवं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रुबी दुगड़ ने सुलसा सम्यक सामायिक जोन का दौरा किया। इस अवसर पर श्रीमती मंजू दुगड़ के निवास पर सामूहिक सामायिक का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ। इसके पश्चात त्रिपदी वंदना एवं प्रेक्षागीत का सामूहिक संगान किया गया।

मंडल की परामर्शिका श्रीमती मंजू दुगड़ ने मानसिक शांति एवं तनावमुक्त जीवन के लिए प्रेक्षाध्यान का अभ्यास करवाया। उन्होंने कायोत्सर्ग एवं दीर्घ श्वास प्रेक्षा के प्रयोगों के माध्यम से उपस्थित बहनों को साधना का लाभ प्रदान किया।अध्यक्षा श्रीमती नमिता सिंघी ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रेरणादायी उदाहरणों के माध्यम से बहनों को मंडल की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

वहीं, श्रीमती रुबी दुगड़ ने कन्याओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे धर्मसंघ से जुड़कर अपनी सक्रिय, सकारात्मक एवं सृजनात्मक सहभागिता सुनिश्चित करें तथा संगठन की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

इस अवसर पर अध्यक्षा ने सुलसा सम्यक सामायिक जोन की नियमित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करते हुए बहनों का उत्साहवर्धन किया। सामूहिक सामायिक में बहनों की उत्साहपूर्ण एवं उल्लेखनीय उपस्थिति रही।साधना, आत्मीय संवाद एवं संगठनात्मक मार्गदर्शन से परिपूर्ण यह ‘संवाद संगोष्ठी’ अभियान प्रेरणादायी, सफल एवं अत्यंत फलदायी रहा।

गोशामहल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बीएलओ माधुरी रंगानी, भगीरथ कला और गौरी मैडम के साथ बीएलए लक्ष्मीनारायण को एसआईआर फॉर्म भरकर देते हुए श्री राम सेवा समिति के उपाध्यक्ष पंकज वर्मा। साथ में हैं सोनाली वर्मा और कमल किशोर कड़ेल।

एसआईआर प्रक्रिया में अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा ने किया सदस्यों का सहयोग

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की अशोक नगर शाखा द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत समाज के सदस्यों को आवेदन पत्र भरने, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराने तथा प्रपत्र जमा कराने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। यह सेवा कार्य शाखा की संस्थापक एवं केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती पूजा गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर शाखा के सदस्य महेश अग्रवाल, श्रीमती सुनीता अग्रवाल, मोहित अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों को आवेदन प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे पूरी प्रक्रिया सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी। कार्यक्रम के दौरान जीएचएमसी एवं बीएलओ अधिकारियों की उपस्थिति में आवेदकों के आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा प्रपत्रों को नियमानुसार जमा कराया गया। इस कार्य में मुर्शिदाबाद डिवीजन की कॉरपोरेटर पावनी विनय कुमार का विशेष सहयोग रहा। अधिकारियों ने भी सभी आवेदकों को प्रक्रिया संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए समयबद्ध रूप से आवेदन पूर्ण कराने में सहयोग दिया।

इस अवसर पर श्रीमती पूजा गुप्ता ने कहा कि अग्रवाल समाज तेलंगाना की अशोक नगर शाखा समाज के हित में जन-जागरूकता एवं सेवा कार्यों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी सरकारी योजनाओं एवं आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाओं में समाज के सदस्यों को इसी प्रकार मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाता रहेगा।

सिंगरेनी को मजबूत करने के लिए मोदी सरकार हरसंभव सहयोग करेगी : किशन रेड्डी

मंचेरियाल, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी कर्मचारियों में व्याप्त चिंताओं को दूर करने तथा उनमें विश्वास का संचार करने के उद्देश्य से आयोजित 'सिंगरेनी भरोसा यात्रा' के तहत केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को मंचेरियाल जिले के श्रीरामपुर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित सिंगरेनी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हर परिस्थिति में सिंगरेनी के साथ मजबूती से खड़ी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार सिंगरेनी को और अधिक सशक्त बनाने तथा कर्मचारियों के कल्याण के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने सिंगरेनी का उपयोग अपने परिवार की संस्था की तरह किया, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार भी इसे सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझकर उसका दोहन कर रही है। उन्होंने कहा कि दिन-रात मेहनत करने वाले सिंगरेनी कर्मचारियों के हितों की दोनों सरकारों ने उपेक्षा की है।किशन रेड्डी ने कहा कि बीआरएस सरकार की लापरवाही और कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण सिंगरेनी की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने दावा किया कि कंपनी आज कर्मचारियों को समय पर वेतन देने में भी कठिनाइयों का सामना कर रही है। ऐसे समय में केंद्र सरकार ने पहल करते हुए ताडीचर्ला-खख तथा ओडिशा के नैनी कोल ब्लॉक में कोयला उत्पादन शुरू कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ताडीचर्ला ब्लॉक का आवंटन केंद्र सरकार द्वारा किए जाने के बावजूद राज्य सरकार 'विजयोत्सव' मनाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल किया कि जब ब्लॉक का आवंटन केंद्र सरकार ने किया है तो कांग्रेस किस उपलब्धि का जश्न मना रही है। उन्होंने यह भी मांग की कि पहले सिंगरेनी पर बकाया राशि का भुगतान किया जाए, उसके बाद उत्सव मनाया जाए।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बावजूद केंद्र सरकार ने बिना किसी नीलामी के ताडीचर्ला ब्लॉक-2 सिंगरेनी को आवंटित किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि मणुगुरु कोल ब्लॉक के आवंटन को लेकर भी केंद्र सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है और जल्द ही कर्मचारियों को अच्छी खबर मिलेगी।

किशन रेड्डी ने सिंगरेनी के विकास एवं कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तेलंगाना की जनता और सिंगरेनी कर्मियों की ओर से वे प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक धन्यवाद प्रकट करते हैं।

कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव, सांसद ईटाला राजेंदर, गोडेम नागेश, एमएलसी अंजी रेड्डी, विधायक एलेटी महेश्वर रेड्डी, धनपाल सूर्यनारायण, काट्रापल्ली वेंकट रमणारेड्डी सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता एवं सिंगरेनी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोशामहल में नकली बिजली के तारों और मसालों का काला कारोबार

विधायक राजा सिंह ने डीजीपी को लिखा पत्र, तत्काल कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से विधायक टी. राजा सिंह लोध ने तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को एक पत्र लिखकर अपने निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न व्यावसायिक इलाकों में नकली (डुप्लिकेट) बिजली के तारों, मसालों और अन्य जाली उत्पादों के अवैध निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ तत्काल जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने इस पत्र की एक प्रति हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त (कमिशनर) को भी भेजी है।

जन सुरक्षा को गंभीर खतरा और जान-माल के नुकसान की आशंका

विधायक राजा सिंह ने पुलिस महानिदेशक का ध्यान एक बेहद गंभीर सार्वजनिक चिंता के विषय की ओर आकर्षित करते हुए बताया कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों जैसेतुर्रेब बाजार, आबिद्स, कोटि, सुल्तान बाजार और बेगम बाजार में बड़े पैमाने पर नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ असामाजिक तत्व देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के ब्रांड नाम, ट्रेडमार्क और लेबल का दुरुपयोग करके इन नकली उत्पादों का निर्माण और खुलेआम बिक्री कर रहे हैं। राजा सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह जन सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।

विशेष रूप से नकली बिजली के तारों के उपयोग से कभी भी भयंकर आगजनी, गंभीर दुर्घटनाएं और भारी जान-माल का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, यह अवैध धंधा असली निर्माताओं, ईमानदार व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को भी भारी आर्थिक चपत लगा रहा है।

संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी और 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' लगाने की मांग

पत्र के माध्यम से विधायक ने डीजीपी से इस पूरे मामले की व्यापक, निष्पक्ष और समयबद्ध (टाइम-बाउंड) जांच के आदेश देने का अनुरोध किया है।

उन्होंने मांग की कि इस अवैध कारोबार में शामिल संदिग्ध निर्माण इकाइयों, गोदामों और व्यावसायिक ठिकानों पर तत्काल प्रभाव से छापेमारी की जाए। इसके साथ ही, नकली उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के पूरे नेटवर्क (सप्लाई चेन) की गहनता से जांच की जाए ताकि इसमें शामिल हर एक चेहरे को बेनकाब किया जा सके।

राजा सिंह ने सख्त लहजे में कहा कि इस अपराध में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि सबूत गवाही देते हैं, तो पुलिस को संबंधित कानूनों के तहत निवारक हिरासत (प्रिवेंटिव डिटेंशन) सहित सभी लागू दंडात्मक प्रावधानों का उपयोग करना चाहिए ताकि आदतन या संगठित अपराधियों को कड़ा सबक मिल सके। यदि कोई आरोपी तेलंगाना के बाहर का पाया जाता है या राज्य का स्थायी निवासी नहीं है, तो भी उसके खिलाफ स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए।

मिलीभगत करने वाले अधिकारियों और दोषियों पर बिना किसी पक्षपात के हो कार्रवाई

विधायक ने पत्र में यह भी स्पष्ट किया कि यदि जांच के दौरान किसी सरकारी अधिकारी, पुलिस कर्मचारी या अन्य व्यक्ति की इस काले धंधे में संलिप्तता, लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी बिना किसी डर या पक्षपात के सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मुट्ठी भर अपराधियों की गैर-कानूनी गतिविधियों की वजह से हैदराबाद के हजारों ईमानदार व्यापारियों की प्रतिष्ठा और साख धूमिल नहीं होनी चाहिए।

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना और हैदराबाद के ऐतिहासिक व व्यावसायिक बाजारों की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विधायक ने व्यापक जनहित में इस मामले पर तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है।

रेलवे सिग्नलिंग एवं 'कवच' तकनीक को बीटेक पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए इरिसेट ने किए एमओयू

सेंट पीटर्स एवं के.जी. रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ हुआ समझौता

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान (इरिसेट), सिकंदराबाद ने बुधवार को हैदराबाद के दो प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानोंसेंट पीटर्स इंजीनियरिंग कॉलेज (एसपीईसी) तथा के.जी. रेड्डी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (केजीआरसीईटी)के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) विभागों के साथ बी.टेक. पाठ्यक्रम में रेलवे सिग्नलिंग एवं ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम 'कवच' विषय को शामिल करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस पहल का उद्देश्य इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम 'कवच' तथा आधुनिक रेलवे सिग्नलिंग प्रणालियों से संबंधित नवीनतम तकनीकी ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है, ताकि वे रेलवे क्षेत्र की उन्नत तकनीकों के अनुरूप दक्ष बन सकें। यह पहल रेल मंत्रालय के क्षमता एवं कौशल निर्माण (कैपेसिटी कम कैपेबिलिटी बिल्डिंग) मिशन के अंतर्गत की जा रही है।

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को रेलवे सिग्नलिंग प्रणाली, स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' तथा आधुनिक रेल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई तकनीकी दक्षताओं से परिचित कराया जाएगा। साथ ही उनकी वर्तमान तकनीकी क्षमताओं को और अधिक सशक्त एवं रोजगारोन्मुख बनाया जाएगा।

इरिसेट के अपर महानिदेशक लोकेश विश्नोई के नेतृत्व एवं पहल पर संस्थान के वरिष्ठ आचार्य (सिग्नल-2 एवं कवच) टी. रमेश बाबू ने दोनों संस्थानों के साथ अलग-अलग समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

सेंट पीटर्स इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. के. प्रसन्ना कुमार तथा के.जी. रेड्डी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की ओर से प्राचार्य डॉ. एस. साई सत्यनारायण रेड्डी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के माध्यम से इंजीनियरिंग शिक्षा को आधुनिक रेलवे तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण एवं बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

हॉस्टल की अव्यवस्थाओं से नाराज़ 17 छात्र आधी रात पहुंचे विधायक के आवास

मंचेरियाल, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मंचेरियाल जिले के चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले गुरुकुल शिक्षण संस्थान में सोमवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब हॉस्टल की मूलभूत सुविधाओं से नाराज़ इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के 17 छात्र हॉस्टल छोड़कर सीधे मंचेरियाल पहुंच गए। छात्र अपनी समस्याएं स्थानीय विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव के समक्ष रखना चाहते थे, लेकिन उनके आवास पर मौजूद नहीं होने के कारण उन्होंने विधायक की पत्नी एवं पूर्व डीसीसी नेता कोक्किराला सुरेखा से मुलाकात कर अपनी परेशानियां बताईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये सभी छात्र पिछले वर्ष लक्षेट्टीपेट गुरुकुल विद्यालय में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे। इस वर्ष उन्हें द्वितीय वर्ष के लिए चेन्नूर गुरुकुल विद्यालय में स्थानांतरित किया गया। छात्रों का आरोप है कि नए हॉस्टल में भोजन, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं, जिससे वे लंबे समय से परेशान थे। इसी कारण सोमवार रात करीब 9 बजे सभी छात्र आरटीसी बस से मंचेरियाल पहुंच गए।

विधायक आवास पहुंचने पर कोक्किराला सुरेखा ने सभी छात्रों को घर के अंदर बुलाकर पहले भोजन कराया और उसके बाद उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों एवं कॉलेज प्रबंधन से दूरभाष पर संपर्क कर छात्रों की शिकायतों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

इसके बाद छात्रों को समझाइश देकर जिला समन्वय अधिकारी (डीसीओ) श्रीधर की निगरानी में विशेष वाहन से सुरक्षित वापस चेन्नूर स्थित हॉस्टल भेज दिया गया।

अभिभावकों को सूचना नहीं देने पर उठे सवाल

घटना का एक गंभीर पहलू यह भी सामने आया कि छात्रों के हॉस्टल छोड़कर चले जाने के बावजूद संस्थान के कर्मचारियों ने उनके अभिभावकों को इसकी कोई सूचना नहीं दी। इसे लेकर अभिभावकों ने संस्थान की कार्यप्रणाली पर नाराज़गी व्यक्त की।

वहीं, कई अभिभावकों ने कोक्किराला सुरेखा की संवेदनशीलता और त्वरित पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने आधी रात को बच्चों की मां की तरह उनकी देखभाल की, भोजन कराया, उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा सुरक्षित हॉस्टल वापस भेजने की व्यवस्था कर मानवता का परिचय दिया।

यूएस में धर्म पूछकर सोहेल पर चाकू से हमला

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के यूटा में एक भारतीय पर जानलेवा हमला किया गया। भारतीय युवक को धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया और उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला किया गया। युवक की हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है। यह घटना सोमवार को यूटा के वेस्ट वैली सिटी स्थित वैली फेयर मॉल में हुई। भारतीय युवक सोहेल इस मॉल के एक कियोस्क में काम करता था। स्थानीय मीडिया और रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर ने पहले पीड़ित से पूछा कि वह कहां का रहने वाला है और क्या वह मुस्लिम है? इसके बाद उसने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, 48 वर्षीय आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसने पीड़ित को सिर्फ इसलिए निशाना बनाया क्योंकि वह मुस्लिम था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने यह भी कहा कि वह मुसलमानों को मारना चाहता है। अधिकारियों ने उसे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी पहले सोहेल के पास आया और पूछा कि तुम कहां से हो? इस पर सोहेल ने जवाब दिया कि मैं भारत से हूं, मेरा नाम सोहेल है। इसके बाद आरोपी ने पूछा कि क्या तुम मुस्लिम हो? और जैसे ही सोहेल ने कहा कि वह मुस्लिम है, आरोपी ने चाकू निकालकर उस पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। वहां पास की एक जूलरी की दुकान में काम करने वाली लूना नुनेज ने बताया कि हमला इतना अचानक और हिंसक था कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला।

उन्होंने बताया कि मैंने उसे बचाने के लिए जो भी हाथ लगा, वो फेंका, लेकिन आरोपी इतनी बेरहमी से चाकू मार रहा था कि मुझे लगा सोहेल बच नहीं पाएगा। हमले के दौरान मॉल में मौजूद लोगों ने बहादुरी दिखाते हुए आरोपी को पकड़कर जमीन पर दबोच लिया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी की पहचान पीटर माइकल लार्सन (48) के रूप में हुई है। उसे हत्या के प्रयास और खतरनाक हथियार के अवैध इस्तेमाल के आरोपों में सॉल्ट लेक काउंटी जेल भेजा गया है।

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो सोहेल के शरीर पर कई जगह चाकू के गहरे घाव थे और वह बुरी तरह खून बह रहा था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित के लिए शुरू किए गए गोफंडमी अभियान के अनुसार, उसे 15 बार चाकू मारा गया और अब तक उसकी कई सर्जरी हो चुकी हैं।

लूना नुनेज ने बताया कि सोहेल के पास हेल्थ बीमा नहीं है। वह अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य है। उसकी पत्नी फिलहाल काम नहीं करती और उनके दो छोटे बच्चे हैं।

यूटा इस्लामिक सेंटर के इमाम शुआइब दीन ने बताया कि आरोपी पहले सोहेल के कियोस्क पर आया। उसने सोहेल का नाम पूछा, फिर उसका धर्म पूछा और बाद में पानी की बोतल मांगी। जैसे ही सोहेल पानी की बोतल लेने के लिए मुड़ा, आरोपी ने चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया। सोहेल के मैनेजर अदनान मोहम्मद ने कहा कि अगर वह उस समय वहां होते तो सोहेल को बचाने के लिए अपनी जान तक दे देते। साथ ही उन्होंने उन लोगों की भी सराहना की, जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर आरोपी को रोका।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणा : शर्मिला अग्रवाल

हैदराबाद, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया तथा मानव सेवा के माध्यम से समाज में सहयोग और संवेद-नशीलता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शर्मिला अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा भावना पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है। जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ा पुण्य है और यही भावना राधे-राधे ग्रुप के प्रत्येक सदस्य को निरंतर सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करती है।

कार्यक्रम में अनिल धरसुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल एवं प्रवीण विजयवर्गीय ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

बेंगलूरु में भव्य चातुर्मास प्रवेश श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न

बेंगलूरु, 15 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रत स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, माधवनगर-कुमारपार्क के तत्वावधान में युगदिवाकर आचार्यश्री धर्मसूरीश्वरजी म.सा. के समुदायवर्ती, साध्वीश्री चन्द्रयशाश्रीजी म.सा. की सुशिष्या, सरल स्वभावी साध्वीश्री वीरेशपद्माश्रीजी म.सा., साध्वीश्री मयूरयशाश्रीजी म.सा., साध्वीश्री सोहमयशाश्रीजी म.सा. एवं साध्वीश्री चैतन्यशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा का भव्य चातुर्मास प्रवेश बुधवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

माधवनगर स्थित आहूजा चैंबर से भव्य सामैया यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंगल प्रवेश के पश्चात आयोजित धर्मसभा में साध्वी भगवंतों का भावभीना स्वागत किया गया तथा चातुर्मास की मंगलमय शुरुआत हुई।

संघ के अध्यक्ष मोहनलाल मरलेचा ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए चातुर्मास के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का गरिमामय संचालन संघ के सचिव प्रकाश पिरगल ने किया। अंत में उपाध्यक्ष संपतराज कोठारी ने सभी आगंतुकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने साध्वी भगवंतों के पावन सान्निध्य में धर्मलाभ प्राप्त कर चातुर्मास को सफल एवं प्रेरणादायी बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री वासुपूज्य महिला मंडल, श्री शांतिनाथ महिला मंडल, श्री पार्श्व पद्मावती महिला मंडल, श्री वासुपूज्य संस्कार वाटिका की बहनों तथा प्रवीण चौहान, रितेश भंडारी, नितिन साकरिया, जयेश कोठारी, बिपिन शाह, निर्मल वेदमुथा, युवराज, अमित सहित अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.